RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

द पुलिस पोस्ट

आंदोलन नहीं अखबार

जयपुर
शनिवार,
05 अक्टूबर 2024

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

वर्ष: 10 : अंक: 167

दूरभाष: 01482: 433184: पृष्ठ: 08 : मूल्य: 1.50 रुपए

विदेश मंत्री एस जयशंकर जाएंगे पाकिस्तान, एससीओ मीटिंग में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली।

पाकिस्तान में 15-16 अक्टूबर को शंघाई सहयोग संगठन की बैठक होगी। इसमें विदेश मंत्री एस जयशंकर हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बैठक में हिस्सा लेने के लिए जयशंकर पाकिस्तान जाएंगे। इस बार पाकिस्तान एससीओ की मेजबानी कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है, 15 और 16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में एससीओ शिखर सम्मेलन होना है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ा ऑपरेशन, मुठभेड़ में 36 ढेर

दंतेवाड़ा।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को माओवादियों के खिलाफ सबसे बड़ा ऑपरेशन चलाया है। दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले के बॉर्डर पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। मुठभेड़ में अब तक 36 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। इनमें से 14 के शव बरामद हो गए हैं। इसके साथ ही बड़ी संख्या में ऑटोमेटेड हथियार बरामद किए गए हैं। यह मुठभेड़ जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में हुई। नारायणपुर-दंतेवाड़ा सीमा पर माड़ इलाके में नक्सलियों का सर्च ऑपरेशन चल रहा है। दरअसल, सुरक्षाबलों को शुक्रवार को एक मुखबिर से सूचना मिली की जंगल में नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फ़िराक में हैं। सूचना मिलने के बाद फोर्स को मौके के लिए रवाना किया गया।

पहली बार भारत से कैलाश पर्वत के दर्शन हुए

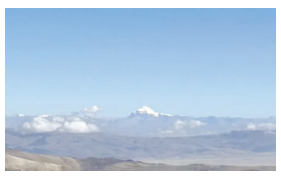

नई दिल्ली।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान 3 अक्टूबर को पहली बार भारतीय इलाके से पवित्र कैलाश पर्वत के दर्शन हुए। दर्शन पुराने लिपुलेख दर्रे से हुए। यह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले की व्यास घाटी में स्थित है। कैलाश पर्वत को भगवान शिव का निवास माना जाता है। इससे पहले तीर्थयात्रियों को पर्वत के दर्शन के लिए तिब्बत जाना पड़ता था। पिथौरागढ़ के जिला पर्यटन अधिकारी कृति चंद्र आर्य ने बताया, पहले जत्थे में पांच तीर्थयात्री थे। वे 2 अक्तूबर को गुंजी कैंप पहुंचे। दर्शन के लिए उन्हें 2.5 किलोमीटर की चढ़ाई करनी पड़ी। यह अभिभूत करने वाला अनुभव था। पवित्र कैलाश पर्वत को देखा तो उनकी आंखों में आंसू आ गए।

पुणे में 21 साल की लड़की से गैंगरेप

पुणे।

महाराष्ट्र के पुणे में 21 साल की लड़की के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। कोंडवा पुलिस के मुताबिक यह घटना गुरुवार रात को पुणे के बोपदेव घाट इलाके में हुई। लड़की अपने दोस्त के साथ घाट पर गई थी, जहां रात करीब 11 बजे तीन लोगों ने उसके साथ रेप किया। हालांकि, घटना की खबर शुक्रवार सुबह 5 बजे पुलिस को दी गई। पुणे के जॉइंट सीपी रंजन कुमार शर्मा ने बताया कि मामले में एक संदिग्ध राजेखान करीम पठान को गिरफ्तार किया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। बाकी 2 आरोपियों की

पहेली, विरोधाभास और राजनीति का आखिरी पड़ाव..

आज 'हरियाणा के दंगल' में होगा मतदान.. सरकार बनाएंगे किसान, जवान और पहलवान!

चंडीगढ़/नई दिल्ली।

हरियाणा एक ऐसा राज्य है जो विरोधाभासों और पहेलियों से भरा हुआ है। एक ऐसा राज्य जहां कई ग्रामीण महिलाएं अभी भी घूंघट में रहती हैं तो वहीं मुक्केबाजी, कुश्ती और निशानेबाजी में भारत की बेहतरीन महिला खिलाड़ियों का घर भी है। प्रगतिशील सुधारवादी आंदोलनों के इतिहास वाला यह क्षेत्र वह स्थान भी है जहां जाति समाज और राजनीति में गहराई से समाई हुई है। यह शहीद सैनिकों की भूमि होने के साथ-साथ एक ऐसा स्थान भी है जहां अक्सर पैरोल पर छूटने वाले एक धर्मगुरु की चर्चा होती है। हरियाणा विधानसभा की 90 सीटों के लिए आज मतदान होने जा रहा है। सत्तारूढ़ भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का प्रयास कर रही है। वहीं, कांग्रेस की उम्मीदें किसान, जवान और सत्ता विरोधी लहर पैदा करने वाले मुद्दों पर टिकी है। चुनाव प्रचार थमने के बाद शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस और भाजपा के नेताओं ने एक-दूसरे पर जमकर निशाना साधा। किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत सात गारंटियों के साथ मैदान में उतरी कांग्रेस का जोर किसान आंदोलन से पैदा नाराजगी और भाजपा के 10 साल के शासन की नाकामियों को भुनाने पर है। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस ने पूर्व सांसद अशोक तंवर की घर वापसी करवाकर भाजपा को तगड़ा झटका दिया। तंवर के जरिए कांग्रेस सबको साथ लेकर चलने और दलित मतदाताओं में संदेश देने का प्रयास कर रही है। इस चुनाव में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और दीपेंद्र हुड्डा ने जिस तरह धुआंधार प्रचार किया और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सियासी समीकरण साधने का प्रयास किया, उससे कांग्रेस को काफी मदद मिली है। हालांकि, पार्टी में गुटबाजी और कुमारी सैलजा की नाराजगी का मुद्दा पूरे चुनाव में छाया रहा। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भी कुमारी सैलजा की सोनिया गांधी से मुलाकात से हलचल मची रही। भले ही कांग्रेस ने अशोक तंवर को शामिल कर डैमेज कंट्रोल का प्रयास किया।

भाजपा और कांग्रेस दोनों ने चुनावी बिसात पर जमकर खेला शह-मात का खेल

आज मतपेटियों में कैद हो जाएगा सियासत का नया अध्याय, राष्ट्रीय राजनीति को करेगा प्रभावित

किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत सात गारंटियों के साथ मैदान में उतरी कांग्रेस

भाजपा का चुनाव अभियान सीएम नायब सिंह सैनी और पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर केंद्रित

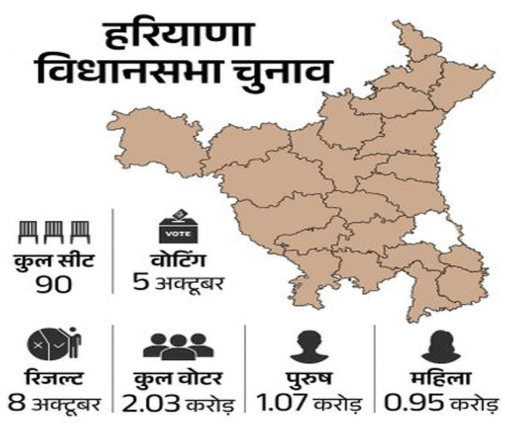

भाजपा ने पूर्व सीएम खट्टर को किया किनारे

हरियाणा के रण में भाजपा का चुनाव अभियान सीएम नायब सिंह सैनी और पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर केंद्रित रहा है। पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर भाजपा के चुनाव प्रचार में फ्रंट पर नजर नहीं आए। जबकि साढ़े नौ साल हरियाणा सरकार की कमान उन्हीं के पास थी। इस चुनाव में पीएम मोदी ने भी बहुत अधिक रैलियां नहीं की। पिछले दो दिनों में हरियाणा में प्रधानमंत्री मोदी की कोई रैली नहीं हुई। हालांकि, गुरुवार को उन्होंने ट्वीट के जरिए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने भरोसा जताया कि हरियाणा के लोग फिर से भाजपा को अपना आर्शीवाद देने वाले हैं और कांग्रेस की विभाजनकारी और नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। पीएम मोदी ने कांग्रेस को लाल और दामाद का सिंडिकेट करार दिया है।

कांग्रेस को जाट वोटर्स पर भरोसा, भाजपा ने अन्य जातियों पर खेला दांव

राज्य की आबादी का लगभग एक चौथाई हिस्सा जाट है। जाट पिछले 10 वर्षों से हरियाणा में शासन कर रही बीजेपी सरकार के खिलाफ सबसे मुखर सामाजिक समूह हैं। कांग्रेस जाट वोटों के लिए हुड्डा, पूर्व सीएम भूपेंद्र और बेटे दीपेंद्र पर निर्भर है। यह जोड़ी पार्टी के प्रचार का चेहरा रहा। कांग्रेस ने भाजपा से कहीं ज्यादा जाट उम्मीदवार उतारे हैं। कई जाटों ने कहा कि वे इस चुनाव में सबसे आगे चल रही कांग्रेस को वोट देंगे।

कांग्रेस और राहुल गांधी की नई रणनीति का भविष्य भी तय करेगा हरियाणा

वहीं, राहुल गांधी का दावा है कि हरियाणा में कांग्रेस की आंधी चल रही है और उनकी पार्टी गरीबों और किसानों की सरकार बनाएगी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि भाजपा की फैलाई बेरोजगारी की बीमारी ने हरियाणा की जड़ों, युवाओं के भविष्य और प्रदेश की सुरक्षा को गहरे संकट में डाल दिया है। भाजपा ने हरियाणा और देश की अर्थव्यवस्था को विफल कर दिया है। हरियाणा के लोग इसे अच्छी तरह समझते हैं। वे मोदीजी की पूंजीवादी नीतियों के चक्रव्यूह को तोड़ने के लिए अगला प्रहार करेंगे।

तीसरा मोर्चा सिर्फ जमीन बचाने की जद्दोजहद में, कुछ सीटों पर उलटफेर संभव

हरियाणा चुनाव में इनेलो-बसपा और जेजेपी-आसपा गठबंधन समेत कई निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं। इनेलो और जेजेपी अपनी राजनीतिक जमीन बचाने का प्रयास कर रही हैं। बसपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही इनेलो प्रदेश में कुछ सीटों पर टक्कर दे रही है जबकि जेजेपी को किसान आंदोलन के साथ भाजपा का साथ देने को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा है। खुद दुष्यंत चौटाला उचाना कलां में अपनी सीट पर घिरे हुए हैं।

बेरोजगारी, अग्निवीर और किसान आंदोलन के मुद्दे पर घिर रही भाजपा

चुनाव से कुछ महीने पहले भाजपा ने मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर लोगों की नाराजगी को दूर करने का प्रयास किया। हालांकि, नायब सिंह सैनी को खुद अपनी सीट जीतने के लिए संघर्ष करना पड़ा सकता है। भाजपा का फोकस अपने 10 साल के काम, मोदी के नाम, बीजेपी की नीतियों और कांग्रेस विरोधी मतों को लामबंद करने पर है। जबकि बेरोजगारी, अग्निवीर और किसान आंदोलन के मुद्दे पर भाजपा नेताओं को तीखे सवालों को सामना करना पड़ा है। प्रदेश में हुए किसान आंदोलनों का असर भी इन चुनाव पर पड़ सकता है। धान के निर्यात पर लगी पाबंदियों और बासमती के भाव में आई गिरावट ने भी किसानों की नाराजगी बढ़ाने का काम किया है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने जेपी नड्डा से की मुलाकात, प्रेमचंद बैरवा बने रहेंगे उपमुख्यमंत्री

जयपुर।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस मुलाकात को प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकार सूत्रों के अनुसार इस मुलाकात में प्रदेश में होने वाले विधानसभा के 7 उपचुनावों के साथ-साथ डिप्टी सीएम डॉ प्रेमचंद बैरवा और कैबिनेट मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। सीएम ने अपनी ओर से प्रदेश में राजनीतिक हालात सामान्य होना बताया। इस मुलाकात के बाद ही संकेत मिले हैं कि डॉ बैरवा डिप्टी सीएम के पद पर बने रहेंगे। फिलहाल प्रदेश की राजनीति में कोई बदलाव नहीं होगा। हालांकि सोशल मीडिया पर डॉ बैरवा को लेकर कई चर्चाएं हो रही हैं। ऐसी चर्चा बैरवा के बेटे के वायरल वीडियो तक ही सीमित नहीं है, बल्कि डॉ बैरवा से भी जुड़ी है।

कांग्रेस नेता लगातार बोल रहे हैं हमला

सोशल मीडिया की खबरों की आग में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने घी डालने का काम किया है। श्रीनेत ने राजस्थान होटल और रशिया शब्दों का इस्तेमाल किया है। जानकार सूत्रों के अनुसार सोशल मीडिया में डॉ बैरवा को लेकर जो खबरें प्रसारित हो रही हैं, उन सबकी जानकारी भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को है। भले ही इन खबरों में कोई सच्चाई न हो, लेकिन इससे भाजपा की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। 3 अक्टूबर को उदयपुर में मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ मंच पर बैरवा की उपस्थिति से जाहिर है कि अभी भी भाजपा हाईकमान का भरोसा बैरवा पर बना हुआ है। चूंकि प्रदेश में होने वाले उपचुनावों में मुख्यमंत्री शर्मा की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई है, इसलिए सीएम शर्मा भी उपचुनाव से पहले कोई बदलाव नहीं चाहते हैं।

दीपावली से पहले मिली सौगात

एनपीएस व ओपीएस के बीच राजस्थान सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को दी बड़ी राहत

जयपुर।

राजस्थान में नेशनल पेंशन स्कीम व ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने असमंजस के बीच राजस्थान सरकार ने शुक्रवार को राज्य कर्मचारियों को एक बड़ी राहत दी है। इसके तहत जिन राज्य कर्मचारियों ने एनपीएस योजना के तहत पैसा निकाल लिया है, उन्हें फिलहाल जमा नहीं कराना होगा। उनकी निकाली गई राशि को सेवानिवृत्ति के दौरान समायोजन कर लिया जाएगा। इधर सरकार के लिए इस फैसले से राजस्थान में ओपीएस लागू रहने की संभावना अधिक जताई जा रही है।

राजस्थान सरकार के वित्त विभाग ने शुक्रवार को एक परिपत्र जारी किया है। इसके तहत एक जनवरी 2004 के बाद नियुक्त जिन सरकारी कर्मचारियों ने एनपीएस के अन्तर्गत राशि निकाल ली थी, उनकी यह राशि वापस जमा कराने के लिए शिथिलता प्रदान की गई है। इस राशि को सेवानिवृत्ति के समय नियमानुसार गणना कर समायोजित किया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाता है कि इस परिपत्र के जारी होने के उपरांत भी एक जनवरी 2004 एवं उसके पश्चात नियुक्त कार्मिकों द्वारा एनपीएस के तहत राशि आहरण के लिए आवेदन किया जाता है तो संबंधित कार्मिकों द्वारा राजस्थान सिविल सेवा नियम , 1998 के तहत पात्र नहीं माना जाएगा। तथा उन्हें पुरानी पेंशन योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा।

कर्मचारी संगठनों ने जताया आभार

कर्मचारी महासंघ एकीकृत के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र राना ने राज्य सरकार के इस आदेश का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार के वित्त विभाग ने एनपीएस की राशि वापिस जमा करने के पूर्व आदेशों को विड्रॉल कर पेंशन के समय राशि को समाहित करने के आदेश कर राज्य में ओपीएस की सतत बहाली का सकारात्मक संदेश दिया है।

केजरीवाल ने 9 साल बाद सीएम आवास छोड़ा

नई दिल्ली।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फ्लैग स्टाफ रोड स्थित सीएम आवास खाली कर दिया है। वे शुक्रवार दोपहर लुटियंस दिल्ली में फिरोजशाह रोड पर बंगला नंबर-5 में शिफ्ट हो गए। यह बंगला पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को दिया गया है।

राजस्थान परिवहन निगम ने की रोडवेज बस की मुफ्त यात्रा की घोषणा, 4 दिन मिलेगा 20 लाख लोगों को लाभ

जयपुर।

राजस्थान में परिवहन निगम द्वारा मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की है। इसके तहत अक्टूबर महीने में 4 दिन मुफ्त बस यात्रा कराई जाएगी। जबकि रोडवेज प्रबंधन अतिरिक्त बसों की सुविधा जुटाने में लगी हुई है। इसके साथ रोडवेज बस में ऑनलाइन रिजर्वेशन करवाने की सुविधा भी होगी। अक्टूबर में सबसे पहले 5 अक्टूबर को मुफ्त बस यात्रा मिलेगी। इसके बाद 22, 23 और 24 अक्टूबर को भी रोडवेज बस में मुफ्त यात्रा करने का मौका मिलेगा। रोडवेज बस की मुफ्त यात्रा के लिए कुछ शर्तें भी हैं। यानी सभी लोग इस मुफ्त सेवा का लाभ नहीं मिलेगा। यह सुविधा खास उनको मिलने वाला है जो राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के प्रतियोगी परीक्षाओं में हिस्सा लेने वाले हैं।

परिक्षार्थियों को ही मिलेगी मुफ्त सुविधा

अक्टूबर महीने में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा चार दिन प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन कर रहा है। यही वजह है कि राजस्थान परिवहन निगम ने परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों को मुफ्त सुविधा उपलब्ध कराया है। बता दें 5 अक्टूबर को लिपिक परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा 22, 23 और 24 अक्टूबर को सीईटी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इन दोनों परीक्षाओं में 20 लाख से भी ज्यादा उम्मीदवार हिस्सा ले रहे हैं। ऐसे में इन लोगों को राजस्थान में मुफ्त रोडवेज बस सेवा मिलेगी। वहीं परिवहन निगम ने मुफ्त बस सेवा के लिए बस में सीट के रिजर्वेशन कराने की सुविधा भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। जिसे ऑनलाइन रिजर्वेशन लिया जा सकेगा।

सितंबर में सीईटी परीक्षा में हालात हो गए थे बेकाबू

राजस्थान सरकार द्वारा रोडवेज बस में मुफ्त सेवा देने का फैसला लिया है। हालांकि इससे बस स्टैंड पर हालात बेकाबू होने की संभावना है। हाल ही में सितंबर महीने में सीईटी परीक्षा के दौरान काफी परेशानी हुई थी। इस वजह से निगम ने इसकी उचित व्यवस्था करने की निर्देश दिया है। रोडवेज प्रशासन इसके लिए तैयारियों में जुट गई है। रोडवेज प्रशासन अतिरिक्त बस उपलब्ध कराने की तैयारी में लगा है।

रेप के आरोपी ने थाने में किया सुसाइड, घरवालों का आरोप- पुलिस ने बेटे को पीट-पीटकर मार डाला

फलोदी।

राजस्थान के फलोदी जिले के देचू थाने में एक युवक ने देर रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक को पुलिस एक नाबालिग के दुष्कर्म मामले में थाने लेकर आई थी। पुलिस के मुताबिक, युवक ने थाने के अंदर बने कमरे में गमछे से फंदा लगाकर जान दे दी। वहीं, घरवालों ने पुलिस पर युवक की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने एक दिव्यांग लड़की के साथ रेप के मामले में युवक को गिरफ्तार किया था। पीड़ित लड़की बोल और सुन नहीं सकती थी। घरवालों के मुताबिक, लड़की ने पेट दर्द की शिकायत की थी। अस्पताल में जांच करवाई गई तो डॉक्टर ने सोनोग्राफी करने के लिए कहा। सोनोग्राफी के बाद पता चला कि लड़की प्रग्नेंट है। इसके बाद रेप की घटना सामने आई।

पुलिस ने युवक को किया था गिरफ्तार

जब परिवार ने पीड़िता से पूछताछ की तो सामने आया कि चार महीने पहले उसके साथ दुष्कर्म की घटना घटी। ऐसे में परिवार ने देचू थाने में आरोपी युवक के नाम दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करा दी। इसके बाद पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया था।

घरवालों ने लगाए आरोप

मृतक युवक के परिवार का आरोप है कि युवक को तीन दिन पहले गिरफ्तार किया गया था। लेकिन पुलिस कहती रही कि बस उसे पूछताछ के लिए रोका गया था। लेकिन पुलिस ने कस्टडी में लेकर उसकी बेरहमी से पिटाई की। पुलिस का कहना है कि एक रात पहले ही उसे गिरफ्तार किया गया था। युवक की मृत्यु होने के बाद अब बड़ी संख्या में ग्रामीण देचू थाना के बाहर इकट्ठा होकर हंगामा कर रहे हैं। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और गांववालों को समझाया। लेकिन ग्रामीण आरोपी पुलिसवालों को नौकरी से बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं।

प्रदेश में पहली बार जयपुर में मुख्यमंत्री आवास पर होगा सामूहिक क्षमा वाणी का कार्यक्रम

जयपुर।

प्रदेश में पहली बार मुख्यमंत्री आवास पर सामूहिक क्षमा वाणी का कार्यक्रम होगा। इसमें जयपुर में चातुर्मास कर रहे जैन साधु संत और साध्वी मुख्यमंत्री निवास पर पहुंचेंगे। जानकार इस कार्यक्रम को आगामी राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट से जोड़ते हुए भी देख रहे हैं।

मध्य प्रदेश के बाद अब राजस्थान में भी जैन समुदाय के क्षमावाणी कार्यक्रम को सीएम हाउस में कराया जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्य और ग्रेटर निगम के उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने बताया कि जैन समुदाय का हर वर्ष क्षमा वाणी पर्व मनाया जाता है। ये जैन धर्म के मूलभूत सिद्धांतों को परिलक्षित करता है। जयपुर शहर में इस वक्त 31 स्थान पर जैन संतों के चातुर्मास चल रहे हैं।

ऐसे में प्रदेश के मुखिया भजनलाल शर्मा ने सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित करने का मन बनाया है। ऐसे में जैन संतों की प्रेरणा से 6 अक्टूबर को सामूहिक क्षमा वाणी का कार्यक्रम मुख्यमंत्री आवास में आयोजित होगा। इसमें जयपुर में चातुर्मास कर रहा संत समाज भी शामिल होगा। यहां उनका आशीर्वचन भी होगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री आवास पर इस तरह का पहला कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। उन्होंने बताया कि सामूहिक क्षमा वाणी का कार्यक्रम मुख्यमंत्री की पहल पर मुख्यमंत्री आवास पर हो रहा है, चूंकि जैन समाज उद्यमी समाज है और जहां पर भी शांति होती है, वहां प्रगति होती है। मुख्यमंत्री ने भी यहां लॉ एंड ऑर्डर पर फोकस किया है और अब राइजिंग राजस्थान के माध्यम से जिन इन्वेस्टर्स को आमंत्रित किया जा रहा है।

पाषॅद माली ने पालिका तहसील प्रशासन पर भूमाफियाओं से सांठगांठ के लगाएं आरोप

खसरा संख्या 131 रकबा 6.15 बीघा कृषि भूमि का व 0,5 बिस्वा भूमि टटिया का फिर एक बार छाया मुद्दा

अधिकारीयों ने भूमाफियाओ से टिपीण खाकर फर्जी तरमीम की गई करोडों रूपये की जमीन

करोड़ों की बेशकीमती भूमि चढ़ी अवैध अतिक्रमण की भेंट भूमाफियाओ की टेढी नजर है ईस जमीन के उपर खसरा संख्या 131 मे हो गया बडा भष्ट्राचार तहसील प्रसासन मिला हुए है

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज- पालिका प्रशासन के खेल भी अजब गजब निराले लगातार आ रहे सामने, अधिकारी कोई भी बदलो लेकिन अतिक्रमण करने वाले अति कर्मियों के नियत बदलने का नाम तक नहीं ले रही है वही बात अगर जिम्मेदार अधिकारियों के करें तो वह भी कार्यवाही के नाम पर चुप्पी साधे बैठे हैं । शहर के पाषॅद ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिख अवगत करवाया कि

दानदाता मगलचंद जैन द्वारा वर्ष 1985 मे पटवार हल्का बडगांव मे स्थित खसरा संख्या 131 रकबा 6.15 बीघा नगर पालिका शिवगंज को दान की उक्त भूमि पर नगर पालिका प्रशासन की मिलीभगती से हो रहे अवैध अतिकमण को हटाने की कार्यवाही करने बाबत, माली ने बताया कि शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के पटवार हल्का बडगांव में खसरा सख्या 131 रकबा 6.15 बीघा कृषि भूमि दानदाता मगलचंद जैन के नाम से राजस्व रेकर्ड मे दर्ज है वर्ष 1985 मे दानदाता मगलचंद जैन ने अपने खातेदारी स्वामित्व वाली उक्त कृषि भूमि को नगर पालिका शिवगंज अध्यक्ष के नाम से दान में दी थी। वर्ष 1985 मे उक्त कृषि भूमि शौचालय की आवश्यकता को देखते हुये दानदाता मगलचंद जैन ने दान मे दी थी जो राजस्व रेकर्ड में उसी नाम से दर्ज इन्द्राज है वर्ष 1985 मे मगलचंद ने अपने स्वामित्व की भूमि दान करने के पश्चात भूमाफियाओं की नजर उक्त भूमि पर पड़ने से नगर पालिका प्रशासन की उदासीनता के कारण आज दिन तक उक्त कृषि भूमि की न तो मौके पर सीमाज्ञान किया गया और न ही उक्त कृषि भूमि की चार दिवारी निकाली बनाई गई । दानदाता मगलचंद जैन द्वारा दान की गई उक्त कृषि भूमि रहवासीय क्षेत्र के पास स्थित होने से वर्तमान में उक्त कृषि भूमि की किमत करोडो में है फिर भी नगर पालिका प्रशासन ने जानबुझ कर दान में देने के समय से अब तक कब्जा भी नही किया है भूमाफिया और नगर पालिका प्रशासन की मिलीभगती से उक्त कृषि भूमि पर लम्बे समय अवैध अतिक्रमण कर रहे है जिससे वर्तमान समय मे मौके पर नगर पालिका को

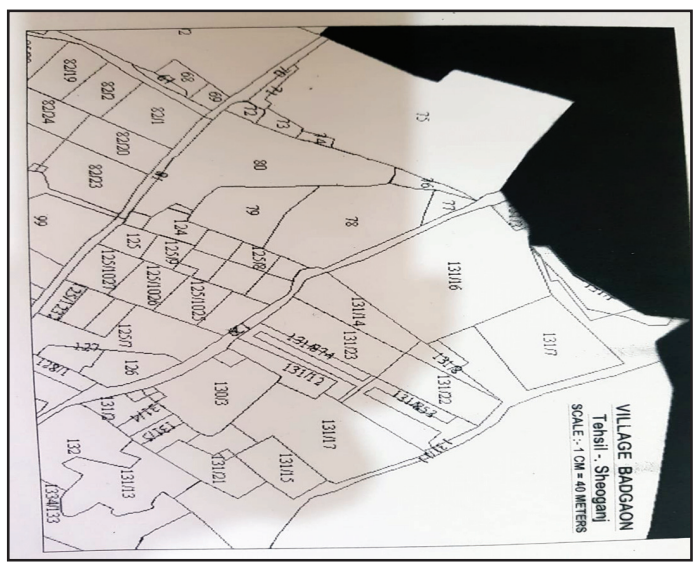

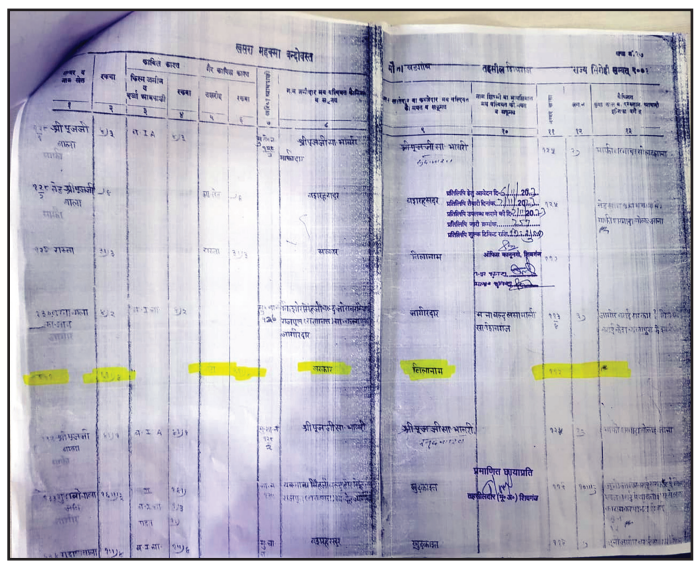

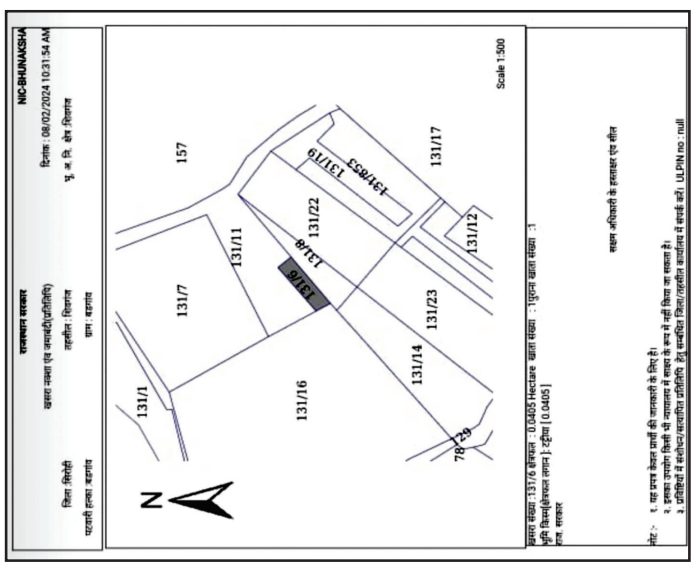

दान मे दी गई कृषि भूमि 6.15 बीघा नही है बडे बडे भूमाफिया उक्त कृषि भूमि को हथियाने के लिये वर्ष 2013 से उपखण्ड अधिकारी शिवगंज के कार्यालय में अलग अलग कार्यवाही करते आ रहे है जिसकी सारी जानकारी नगर पालिका प्रशासन को होते हुये भी उन्होने भूमाफियाओ का साथ दिया है उक्त दान मे दी गई कृषि भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा किये जा रहे अवैध अतिक्रमण की अनेकों बार प्रशासन को शिकायत करने के बावजुद नगर पालिका के अधिकारी द्वारा उक्त कृषि भूमि पर किये गये अतिकमण को न तो हटाया जा रहा है और नही उसकी चार दिवारी बना कर उसको संरक्षित किया जा रहा है । वर्ष 1985 मे दानदाता मगलचंद जैन द्वारा दान की गई खसरा सख्या 131 रकबा 6.15 बीघा कृषि भूमि पर किये जा रहे अतिक्रमण पर रोक लगाते हुये उसका सीमाज्ञान कर चार दिवारी बना कर उसको संरक्षित करने का कष्ट करावें इस भूमि मे लगती खसरे संख्या 131/6 मे पाच बिस्वा भूमि टटीया की भूमि है जो बिलानाम भूमी को खुद मालिक बन रहे है शिवगंज तत्कालीन तहसील साहब ने व भूमाफियाओ ने मिलकर यह तरमीम का खेल खेला गया है जो करोडो की जमीन फोगट मे दी जा रही है जो सरासर गलत है इसलिए बडगांव खसरा नंबर 131 पूर्ण रूप से जाँच करवाकर ही सरकारी जमीन पर सै अतिक्रमण मुक्त कर दानदाताओ की भूमी को भूमाफियाओ से मुक्त करावे नही तो शिवगंज नगर पालिकाध्यक्ष महोदय को सोचना चाहिए की जीस दानदाताओ ने दान मे सोचालय के लिए दी थी पर पालिकाध्यक्ष की लापरवाह से इस जमीन पर अतिक्रमण हो गया है अब तुरंत ही इस भूमी से अतिक्रमण हटाओ व गरीबो के लिए जन आवास योजना चालु कर देनी चाहिए

ईनका क्या कहना है

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के अंदर ग्राम पंचायत बडगॉव के अंदर आने वाली जमीन एक फिट की रेट हजारो रूपये है वह खसरा संख्या एक सौ इकतीस की जमीन पर तरमीम के नाम फर्जीवाडा किया है हजारो की जमीन की रेट करोडों रूपये हुऐ है इसलिए तरमीम सेठ साहब मंगलचंदजी की जमीन फैक्ट्री मे तरमीम थी वह पास की सडक की जमीन पर तरमीम बता दी है जो करोडों की सरकारी जमीन सडकों पर फैक दी क्यू की सडक की तरफ तरमीम करना मतलब सभी भष्ट्राचारी एक हो गएँ है सरकार को करोडों रूपये का नुकसान किया है अब ईमानदार भजनलाल शर्मा सरकार कोई ईन भष्ट्राचारीओ के विरुद्ध कारवाई करेंगे और वह जमीन वापस फैक्ट्री के पिछे की तरफ तरमीम करनी चाहिए ।

सीमादेवी माली पाषॅद नगर पालिका शिवगंज

12 शिकारियों को बार-बार चकमा दे रहा आदमखोर लेपर्ड महिला के शव से फंसाने की कोशिश भी नाकाम;उदयपुर में ग्रामीणों का आरोप- 3 मौके गंवाए

द पुलिस पोस्ट

उदयपुर उदयपुर के गोगुंदा और झाड़ोल के दर्जनों गांवों में 26 दिन से आदमखोर लेपर्ड का आतंक बना हुआ है। 9 लोगों का शिकार कर चुका लेपर्ड पिछले तीन दिन से भूखा बताया जा रहा है। अपनी भूख मिटाने के लिए वो दिन में भी हमले कर रहा है।

लेपर्ड को काबू करने की रणनीति बदली गई है। शूटर और पुलिसकर्मी चुपचाप शिकारी की तरह जंगल में पोजिशन लेकर लेपर्ड का इंतजार कर रहे हैं। पानी और शिकार वाली जगहों के आसपास पुलिस, सेना और वन विभाग की टीमों ने लेपर्ड को गन पॉइंट पर ले लिया है। उदयपुर कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने बताया कि अगर लेपर्ड को जिंदा नहीं पकड़ पाते हैं, तो उसे शूट करेंगे।

हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग अब भी उसे जिंदा पकड़ने की जिद कर रहा है। तीन मौके लेपर्ड को ट्रैंकुलाइज करने के चक्कर में गंवा दिए।

इस तरह से पोजिशन बनाकर लेपर्ड को गन पॉइंट पर लेने के प्रयास जारी हैं।

तीन दिन से भूखा लेपर्ड, दिन में कर रहा हमला

लेपर्ड को पकड़ने के लिए महिला के शव को रखकर उसके लौटने का इंतजार किया। आखिरकार जब शातिर आदमखोर नहीं लौटा तो शव का पोस्टमॉर्टम करवाया।

गोगुंदा एसएचओ शैतान सिंह नाथावत ने बताया कि लेपर्ड तीन दिन से भूखा है। उसका मूवमेंट राठौड़ों का गुड़ा गांव के आसपास के जंगलों में है। वह अपनी टेरिटरी में नहीं लौट रहा है और न ही आगे बढ़ रहा है।

'आदमखोर' को मारने के लिए बदली रणनीति

भास्कर टीम लेपर्ड के मूवमेंट के आधार पर राठौड़ों का गुड़ा गांव पहुंची। यहां जंगल में लेपर्ड को मारने के लिए सर्च टीम ने मोर्चाबंदी कर रखी थी। दो पुलिसकर्मी राइफल के साथ पेड़ों पर बैठ गए और बाकी पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों के साथ झरने के आसपास अपनी पोजिशन संभाली। इस दौरान गोगुंदा एसएचओ शैतान सिंह नाथावत ने भास्कर रिपोर्टर को बताया कि भूखा होने के कारण वह दोबारा हमला जरूर करेगा। अभी टीम शूट एट साइट के लिए लेपर्ड का इंतजार कर ही रही थी कि कुछ देर बाद ही सूचना मिली कि लेपर्ड ने मां-बेटे पर हमला करने का प्रयास किया है। इस पर टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और अंधेरा होने तक लेपर्ड का पीछा किया। लेकिन, वह आदमखोर एक बार फिर चकमा देकर भाग गया। टीम ने अब लेपर्ड को पकड़ने के तरीके को बदला है।

एसएचओ शैतान सिंह ने बताया कि पहले टीम ग्रामीणों के साथ ढोल बजाते हुए जाती थी। हमारा मानना था ढोल की आवाज सुनकर लेपर्ड बाहर निकलेगा या भागने का प्रयास करेगा। लेकिन, अब लेपर्ड की तलाश में जुटी टीमों के शूटर और पुलिसकर्मी चुपचाप शिकारी की तरह जंगल में पोजिशन लेकर लेपर्ड का इंतजार कर रहे हैं। टीमें उस जगह पोजिशन लेकर बैठी हैं, जहां लेपर्ड शिकार और पानी की तलाश में आ रहा है। गुरुवार रात को लेपर्ड की मूवमेंट मजावद के खेड़ा गांव में देखा गया था। वहां लेपर्ड केवल मुर्गियों का शिकार करके चला गया था। इसके अलावा लेपर्ड को काबू करने के लिए दो नई इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम बनाई गई हैं। इस टीम में वाइल्डलाइफ सीसीएफ टी. मोहन राज के साथ ही सरिस्का, रणथंभौर और केवलादेव नेशनल पार्क के अधिकारियों को भेजा गया है।

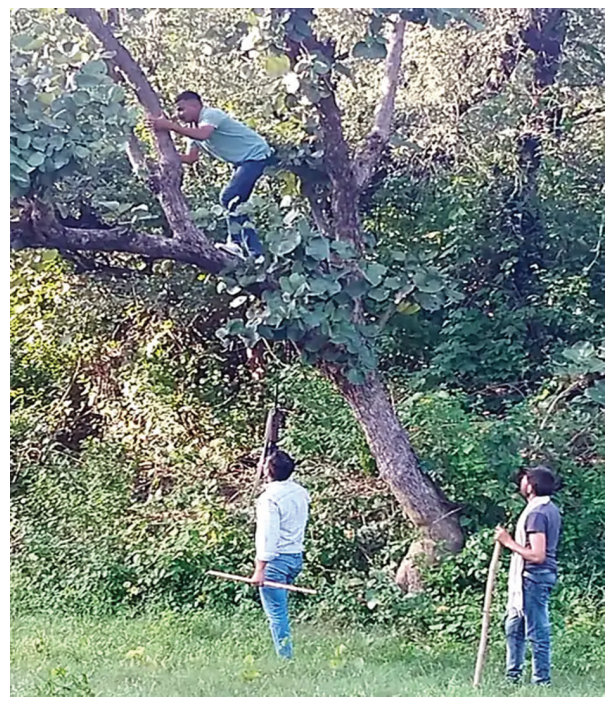

नवो बाड़मेर की समीक्षा

सफाई अभियान के साथ नियमित रूप से कचरा हटवाएं : जिला कलक्टर

भूखंडों में एकत्रित कचरा हटाने के लिए संबंधित व्यक्तियों को पाबंद करने के निर्देश

जेसीबी से हटवाई जाएगी बबूल की झाड़ियां

कलेक्ट्रेट से सर्किट हाउस तक विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश

द पुलिस पोस्ट

बाड़मेर,जिला कलक्टर टीना डाबी ने शुक्रवार को नवो बाड़मेर अभियान के तहत चलाए जा रहे सफाई अभियान की समीक्षा करते हुए नियमित रूप से कचरा हटवाने के निर्देश दिए द्य उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से फीडबैक लेते हुए सफाई अभियान में सहयोग के लिए आमजन से समझाइश एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए जिला मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान जिला कलक्टर टीना डाबी ने कहा कि नवो बाड़मेर अभियान में सबकी भागीदारी से शहर की सफाई व्यवस्था में खासा सुधार हुआ है द्य उन्होंने कहा कि इसके बेहतर परिणाम के लिए पूर्व में जिस वार्ड की जिम्मेदारी है,वहां समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करवाएं द्य इसके उपरांत अन्य वार्डो में सफाई अभियान चलाया जाएं द्य जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों से वार्ड वार सफाई अभियान का फीडबैक लेते हुए कहा कि वार्डो में आमजन को कचरा नहीं फैलाने के बारे में समझाइश की जाएं द्य साथ ही जरूरत पड़ने की स्थिति में चालान काटने एवं पाबंद करने जैसी प्रभावी कार्यवाही करवाएं द्य उन्होंने खाली पड़े भूखंडों में एकत्रित कचरा हटवाने एवं बबूल की झाड़ियां कटवाने के निर्देश दिए द्य समीक्षा बैठक के दौरान यूआईटी सचिव श्रवण सिंह राजावत, उपखंड अधिकारी वीरमा राम, कोषाधिकारी जसराज चौहान, आयुक्त विजय प्रताप सिंह समेत विभिन्न विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे नवो बाड़मेर में शत प्रतिशत सफाई का टारगेट जिला कलक्टर टीना डाबी ने नवो बाड़मेर अभियान से जुड़े अधिकारियों एवं नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों को शत- प्रतिशत सफाई अभियान का टारगेट लेकर चलने के निर्देश दिए द्य उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहे कि नियमित सफाई के साथ त्वरित गति से कचरे का निस्तारण करवाया जाएं द्य उन्होंने शहर में पर्याप्त मात्रा में डस्टबिन लगवाने के निर्देश दिए कलेक्ट्रेट से सर्किट हाउस तक विशेष अभियान चलाएं : जिला कलक्टर टीना डाबी ने विशेष अभियान के माध्यम से कलेक्ट्रेट से सर्किट हाउस तक सफाई करवाने के निर्देश दिए द्य उन्होंने बाधित सड़क मार्ग को खुलवाने एवं इसकी मरम्मत करवाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया 10 अक्टूबर से नए अधिकारी संभालेंगे जिम्मा : नवो बाड़मेर अभियान के तहत पूर्व में आवंटित वार्डो में 10 अक्टूबर से नए प्रशासनिक अधिकारी जिम्मेदारी संभालेंगे द्य इसके लिए जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए

चालान काटने की कार्यवाही जारी रखें

जिला कलक्टर टीना डाबी ने सफाई अभियान की निरंतरता बनाए रखने के लिए चालान काटने की कार्यवाही जारी रखने के निर्देश दिए

राजस्थान में डिप्टी सीएम के बेटे का काटा चालान : सीट बेल्ट के बिना गाड़ी चलाने पर कार्रवाई, म्यूजिक सिस्टम बजाकर बनाई थी रील

जयपुर

राजस्थान के डिप्टी सीएम प्रेमचंद्र बैरवा के बेटे का ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने चालान काटा है। बिना सीट बेल्ट लगाए गाड़ी चलाने, गाड़ी में बिना मंजूरी के लिए मॉडिफिकेशन करने और कम्यूनिकेशन डिवाइस हाथ में लेकर खतरनाक तरीके से ड्राइविंग करने के मामले में दोषी मानते हुए विभाग ने 7 हजार रुपए का चालान किया है।

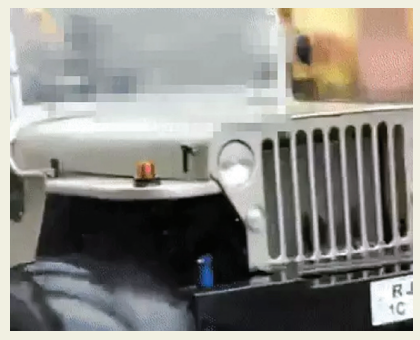

करीब एक सप्ताह पहले सोशल मीडिया पर डिप्टी सीएम और उसके दोस्तों का कार चलाने, रील बनाने का वीडियो सामने आया था। वीडियो सामने आने के बाद डिप्टी सीएम बैरवा ने इस मामले में सफाई देते हुए अपने बच्चे का बचाव किया था। इसके बाद मामला उच्च स्तर तक चर्चाओं में आ गया था।

डिप्टी सीएम ने कहा था- 'मैं भाग्यशाली हूं कि मुझ जैसे व्यक्ति को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिप्टी सीएम बनाया। मेरे डिप्टी सीएम बनने के बाद मेरे बेटे को अगर कोई बाहरी पैसे वाले लोग अपनी गाड़ी में बैठाते हैं। उसको भी अच्छी गाड़ी देखने का मौका मिला है। आज जिस तरह मुझे मौका मिला है, उसी का परिणाम है कि आज मेरे बच्चे को भी लोग पूछने लगे हैं। उन्होंने कहा था कि इस मामले में उनके बच्चे का कोई दोष नहीं है और न ही उसने नियमों का उल्लंघन किया।'

इन मदों में किया चालान

- गाड़ी में बिना अनुमति के मॉडिफिकेशन करने के मामले में नियम 182 (4) के तहत 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।
- गाड़ी चलाते समय ड्राइवर और पैसेंजर बिना सीट बेल्ट के था, जिसके चलते 194B(1) के तहत 1 हजार रुपए।
- खतरनाक तरीके से ड्राइविंग करने (हाथ में कम्प्यूनिकेशन डिवाइस लेकर उसके उपयोग करते हुए) पर 184(ष्ट) के तहत 1 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया।

नौ दिन चलेगा डांडिया रास कार्यक्रम शहर के ऐतिहासिक अंबे माताजी मंदिर मे चलेगा

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज अंबे माता मंदिर मे 9 दिन डांडिया रास कार्यक्रम आगज आज रात्रि से हुआ अंबे माताजी मंदिर अध्यक्ष सावलमल सोनी मंत्री धनराज गहलोत ने शिवगंज मे आने वाली जनता के लिए स्वागत द्वारा प्रसादी की व्यवस्था की गई है मंदिर में दर्शन के लिए अलग लाइन बाहर जाने वालों की अलग-अलग लाईन और डांडिया रास कार्यक्रम करने वालों के लिए व्यवस्था की गई माता बहनों के लिए अलग ही डांडिया रास कार्यक्रम व्यवस्था की जिससे शिवगंज में अशांति न हो सके क्योंकि छोटा मंदिर होने के लिए से वह शहर की बड़ी संख्या में आने वाले लोगों के सभी के दर्शन की व्यवस्था और डांडिया रास कार्यक्रम वह डांडिया रास कार्यक्रम के लिए व्यवस्था करनी पड़ती है इंद्रमल सोनी महेंद्र राठौर पाताल भाई जैन गणेश भाटी नरेंद्र जैन मंदिर के पुजारी दिनेश कुमार व नितेश कुमार अपनी व्यवस्था के लिए तैयार रहते हैं आने वाले दर्शन के लिए कोई समस्या पैदा ना हो उनके लिए हमेशा तैयार रहते हैं कि बिना दर्शन कोई नही जा सके शहर के वार्ड संख्या 25 का ऐतिहासिक मंदिर सिवान शहर का सबसे बड़ा मंदिर है वह हजारों लोग नवरात्रि में डांडिया रास कार्यक्रम दर्शन के लिए आते-जाते रहते हैं अब 9 दिन के कार्यक्रम चलेगा हजारों की संख्या माताएं बहने वह बच्चे व बडे बुजुर्गो

पुरूषों की बडी संखया मे भाग लेगे

राजस्थान में अगले दो-तीन बढ़ सकती है गर्मी हनुमानगढ़-गंगानगर, जैसलमेर-सीकर समेत कई जिलों में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री से नीचे आया

द पुलिस पोस्ट

जयपुर राजस्थान में मौसम शुष्क होने के साथ ही तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर शुरू हो गया। शुक्रवार को राज्य के सभी जिलों में दिन और रात के तापमान में गिरावट हुई। जैसलमेर, सीकर, गंगानगर, हनुमानगढ़ समेत कई जिलों में रात का न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया।

दिन के अधिकतम तापमान में भी 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट शुक्रवार को दर्ज की गई। मौसम विशेषज्ञों का कहना है- राज्य में अगले दो-तीन दिन तापमान में इसी तरह का उतार-चढ़ाव होगा और दो-तीन दिन बाद दिन में गर्मी फिर से बढ़ेगी।

शुक्रवार को जयपुर में दिन का अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो बाड़मेर, जोधपुर, जैसलमेर से भी ज्यादा था। इन तीनों शहरों में कल दिन

के तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। गंगानगर में अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस, चूरू-पिलानी में 38.3, हनुमानगढ़ में 38, अलवर में 37.8, कोटा-बीकानेर में 37.5, फलोदी में 37.6, बारां में 36.9 और चित्तौड़गढ़ में 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

शहरों में रात में ठंडक बढ़ी, तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे आया

राजस्थान में भले ही दिन में तेज गर्मी हो, लेकिन कुछ जगहों पर रात हल्की ठंडी होने लगी है। उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बारां, डूंगरपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, सीकर समेत कई जिलों में कल रात का न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। सबसे कम न्यूनतम तापमान उदयपुर में 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

अब आगे क्या?

जयपुर मौसम केन्द्र से जारी फोरकास्ट के मुताबिक राज्य में 8 अक्टूबर तक मौसम पूरी तरह शुष्क रहने की संभावना है। 6 अक्टूबर को हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर से लगते एरिया अलवर, झुंझुनूं, हनुमानगढ़ में कहीं-कहीं आसमान में हल्के बादल छा सकते है, लेकिन बारिश होने की संभावना कम है।

भारत विकास परिषद का कार्यक्रम हुआ आयोजित

द-पुलिस पोस्ट

बिजयनगर ब्यावर। भारत विकास परिषद मुख्य शाखा एवम् विवेकानंद शाखा का शाखा स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता का द्वितीय चरण कार्यक्रम प्रश्न मंच का आयोजन महेश शिक्षा सदन संजय नगर रोड विजयनगर में किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती एवम् स्वामी विवेकानंद की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्जावलन कर वंदे मातरम गायन के साथ किया गया । कार्यक्रम में दोनो शाखाओं की कुल 25 टीमों ने भाग लिया , इनमे से वरिष्ठ वर्ग में राजकीय उ मा विद्यालय सथाना बाजार विजयनगर के टीकम लोहार तथा मोहित सोनी एवम् राज उ मा विद्यालय बाड़ी के गौरव जांगिड़ तथा निर्मल गुजर की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी तरह कनिष्ठ वर्ग में राज उ मा विद्यालय बाड़ी के लक्की जांगिड़ तथा कुलदीप ने एवम संजीवनी उ मा विद्यालय की हिमानी साहू तथा शशि सिखवाल की टीम ने प्रथम

स्थान प्राप्त किया। उक्त 8 छात्रो को परितोषिक रूप में चांदी के सिक्के एवम् प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।उक्त 8 छात्र 20 अक्टूबर 2024 को अजमेर में होने वाली प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता मे दोनो शाखाओं का प्रतिनिधित्व करेंगे। शेष सभी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र एवम् पेन प्रदान कर उत्साह वर्धन किया गया। कार्यक्रम पूर्णरूपेण डिजिटल माध्यम से भीलवाड़ा से आए टीम सदस्य पंकज अग्रवाल एवम् आदित्यजी व्यास द्वारा संपन्न करवाया गया। कार्यक्रम में परिषद परिवार से शाखा प्रभारी के डी मिश्रा, प्रांतीय संरक्षक रतन लाल नाहर, जिला सचिव जितेंद्र पीपाड़ा ,दिनेश कोगटा ,सत्य नारायण जोशी , बृजेश बाल्दी, विमल भंसाली , ज्ञान चन्द नाहर,प्रहलाद रायसिंघानी, डी सी जैन , लक्ष्मण लाल शर्मा , बुद्धिप्रकाश पारीक ,वीर चंद जैन ,वैभव गर्ग प्रीतेश बडोला एवम् अन्य सदस्य उपस्थित थे ।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ जी कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार

द-पुलिस पोस्ट

-प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मकराना, नागौर में क्रिकेट स्टेडियम का शुभारंभ कर जनता को समर्पित किया

-कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ राजस्थान में निरंतर कर रहे हैं सुविधाओं का विस्तार

-आज जब हमारे खिलाड़ी विश्व स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हर देशवासी को गर्व होता है : कर्नल राज्यवर्धन

-मकराना के हुनर को और अधिक निखारने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध : कर्नल राज्यवर्धन

राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ जी ने शुक्रवार (04 अक्टूबर 2024) को मकराना, नागौर प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता की और कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाने का आग्रह

किया। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने इस दौरान यहां माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में क्रिकेट एकेडमी का शुभारम्भ कर जनता को समर्पित किया और उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ राजस्थान में निरंतर खेल सुविधाओं का विस्तार कर रहे हैं।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, मकराना मार्बल को दुनिया की सबसे बेहतरीन क्वालिटी की मार्बल माना गया है। इसकी चमक और इसकी गुणवत्ता दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यहाँ के कारीगर दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। हमारा प्रयास रहेगा कि यहाँ के कारीगरों के कौशल को और निखारा जाए और यहाँ स्किल डेवलपमेंट केन्द्र खोले जाएं, हुनर को और प्रोत्साहन मिले, इसके लिए क्लस्टर

डेवलप हो। साथ ही सेना की तैयारी के लिए एवं खेलों के लिए यहाँ और सुविधाओं का विस्तार हो, इसके लिए हम प्रयासरत हैं। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, हम सब राजस्थान में खिलाड़ियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने, इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने और खेल इकोसिस्टम को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। खेल हमें जीवन में अनवरत आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। आज जब हमारे खिलाड़ी विश्वस्तर पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हर देशवासी को गर्व होता है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, भाजपा की डबल इंजन सरकार राजस्थान में खेलों को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध है, यही वजह है कि हम गांव-गांव, शहर-शहर खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती प्रदान कर रहे हैं, जिससे प्रदेश से होनहार खिलाड़ी निकल सके। जब खेल का इंफ्रास्ट्रक्चर बनता है, तो सिर्फ खेल ही नहीं, स्थानीय अर्थव्यावस्था पर भी उसका सकारात्मक असर होता है।

धर्मनगरी भीलवाड़ा की पावनधरा पर पहली बार एक दिवसीय दिव्य दरबार पुज्य गुरुदेव श्री बागेश्वर धाम सरकार पं. श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज के सानिध्य मे लगेगा

द-पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा। (पंकज पोरवाल) धर्मनगरी भीलवाड़ा की पावनधरा पर पहली बार एक दिवसीय दिव्य दरबार पुज्य गुरुदेव श्री बागेश्वर धाम सरकार पं. श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज के सानिध्य मे लगेगा। साथ ही प. शास्त्री जी के मुखाविन्द से पांच दिवसीय हनुमंत कथा का आयोजन होगा। यह जानकारी कथा की तैयारियो को लेकर जायजा लेने पहुंचे धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के निजी सेवक नितेंद्र चैबे ने दी। पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए चैबे ने कहा कि गुरुदेव धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बागेश्वर पीठाधीश्वर की भीलवाड़ा में 6 नवंबर से 10 नवंबर तक पांच दिवसीय हनुमंत कथा का आयोजन होगा। जहां कथा के प्रथम दिन 6 नवंबर को सुबह ही गुरुदेव धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का भीलवाड़ा आगमन होगा। पांच

दिवसीय कथा में एक दिन 8 नवंबर को प्रातः 11.00 से दोपहर 2.00 बजे तक दिव्य दरबार का आयोजन होगा जहां बागेश्वर बालाजी की कृपा जिन भक्तों पर होती है उनको गुरुदेव मंच पर बुलाते हैं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा का मुख्य उद्देश्य सभी को हरि, प्रभु, हनुमंत, भक्त हनुमान व प्रभु श्री राम से जोड़ना है यही उनका संकल्प भी है सभी के संकल्प से ही भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना है। देश मे ऐसे काफी प्रदेश है जहां प्रभु श्री राम व श्री कृष्ण की महिमा नहीं पहुंच पाती है उन राज्यों मे देश के संत हर क्षेत्र में जाकर कथा व सत्संग करते हैं उससे भक्तों के जीवन में सुखमय होता है। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री युवा संत है जो खुले मंच से हमेशा सनातन धर्म के लिए बोलते हैं। जहा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के शिष्य ने कहा कि धीरेंद्र के शास्त्री के दरबार में गंभीर मरीज नहीं आए गंभीर मरीज के परिजन उनकी फोटो लेकर आ सकते हैं वही दरबार में किसी से भी दान, दक्षिणा व शुल्क नहीं लिया जाता है और राम-राम का जाप करते हुए बैठना पड़ता है अगर बालाजी महाराज की कृपा होगी तो गुरुदेव धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री आपको दिव्य दरबार में स्वयं मंच पर बुला लेंगे। संयोजक आशीष पोरवाल ने बताया की शास्त्री नगर में स्थित हनुमान टेकरी के महंत बनवारी शरण महाराज काठिया बाबा के नेतृत्व में आगामी 6 नवंबर से 10 नवंबर तक पांच दिवसीय देश ही नहीं विश्व में सनातन का मान बढ़ाने वाले पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बागेश्वर बालाजी पीठाधीश्वर के मुखारविंद से हनुमंत कथा का आयोजन होगा। जिसमें 8 नवंबर को दिव्य दरबार भी लगाया जाएगा। कथा को लेकर कथा समिति ने अलग-अलग जिम्मेदारी भी दी है। बागेश्वर पीठाधीश्वर की कथा के मांडलगढ़ से भाजपा विधायक गोपाल खंडेलवाल अध्यक्ष, संरक्षक त्रिलोक चंद्र छाबड़ा, प्रकाश चंद्र छाबड़ा, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्र कोठारी, उमराव सिंह संचेती, महासचिव श्याम सुन्दर नोलखा, कोषाध्यक्ष राकेश दरक, सचिव हेमेंद्र शर्मा, सहसचिव राजेंद्र कुमार कचैलिया, कार्यकारिणी सदस्य मुकेश खंडेलवाल, दिलीप काष्ट, धर्मराज खंडेलवाल, कांतिलाल जैन, योगेश लढा, सुशील गोखरू, सुरेंद्र डांगी, बाबूलाल जाजू, सत्यनारायण मून्द्रड़ा सहित एवं अन्य सहयोगकर्ताओं एवं मंदिर के कार्यकर्ताओं ने कथा को सफल बनाने के लिए नितेन्द्र चैबे के साथ चर्चा की।

हादसा :सिलेंडर से गैस रिसाव के बाद आग लगी, युवती जलकर हुई मौत

द-पुलिस पोस्ट

झालावाड़ झालावाड़ जिलें के सुनेल कस्बें में शुक्रवार को एक दर्दनाक घटना सामने आ रही है।दोपहर लगभग डेढ़ बजे गैस सिलेंडर में गैस रिसाव होने व आग लगने से एक युवती जलकर खाक हो गई मामला सामने आया है. रसोई गैस में गैस सिलेंडर का बटन खुला होने से रिसाव हुआ. युवती जुलुस गई जान बचाने के चक्कर में भागकर दुसरे कमरें में गई जिसमें रुई पड़ी हुई थी. रुई की वजह से पूरे कमरे में आग लग गई. पुरा कमरा में फाटक खिड़किया जलकर राख हो गया युवती भी जलकर खाक हो गई. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर

पहुंची. सुनेल थाना प्रभारी विष्णुसिंह भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घटना स्थल का मुआयना कर परिजनों ने घटना की पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम बुलाई गई.इसके बाद मृतका जासिया बी के शव का पीएम करवाकर शव परिजनों के सुपर्द किया. घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल बना हुआ है। सुनेल थाना प्रभारी विष्णुसिंह ने मीडिया को बताया कि मृतका जासिया बी पुत्री स्वर्गीय इक़बाल मंसुरी के भाई आकिम मोहम्मद पुत्र स्वर्गीय इक़बाल मंसुरी ने रिपोर्ट में बताया कि में ,मेरी माता एवं मामु सुकेत रिश्तेदारी में गए थे. पड़ोसी द्वारा बताया गया कि रसोई में गैस का बटन चालु था गैस के रिसाव से आग लग. आग में मेरी बहन जुलुस गई भागकर दुसरे कमरें में गई जिसमें रुई पड़ी हुई थी. रुई की वजह से पूरे कमरे में आग लग गई. मेरी बहन जासिया बी पुत्री स्वर्गीय इक़बाल मंसुरी की मौत हो गई.पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की गई.

चिंतन

जयशंकर का एससीओ बैठक के लिए पाक दौरा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा केवल एससीओ बैठक के लिए है। वे 15-16 अक्टूबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होंगे। 2015 में सुषमा स्वराज के बाद किसी भारतीय नेता का यह पहला दौरा होगा। इस यात्रा को लेकर भारत का रुख साफ है कि इस दौरान भारत की पाकिस्तान के साथ कोई बात नहीं होगी। पिछले नौ वर्ष से भारत व पाक के बीच वार्ता पर बर्फ जमी हुई है। भारत एससीओ के चार्टर के नियमों से बंधा हुआ है, इसलिए इसकी बैठक जहां होगी, वहां भारतीय प्रतिनिधि भाग लेंगे। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि जयशंकर के इस दौरे का पाकिस्तान के साथ कोई वास्ता नहीं है, पाकिस्तान से वार्ता के लिए भारत अपने पूर्व के रुख पर कायम है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का खात्मा नहीं करता, तब तक भारत वार्ता शुरू नहीं करेगा। भारत वार्ता भी आतंकवाद व पीओके पर करेगा, कश्मीर पर नहीं। जयशंकर की यह यात्रा पाकिस्तान से रिश्ते सुधारने के लिए नहीं है। दरअसल, भारत से रिश्ते सुधारने का दायित्व पाकिस्तान पर है, वह शर्त का पालन करे तो नई दिल्ली के साथ संबंध मधुर हो सकता है। हाल ही में विधानसभा चुनाव के दरम्यान कश्मीर दौरे के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि अगर पाकिस्तान से रिश्ते बेहतर होते तो भारत पाक की मदद करता। पाकिस्तान की मेजबानी में राजधानी इस्लामाबाद में एससीओ की बैठक हो रही है। चीनी प्रभुत्व वाले एससीओं में चीन, रूस, भारत, ईरान, कज़ाखस्तान, किर्गिज़स्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान व उज़्बेकिस्तान सदस्य हैं। पाकिस्तान ने 29 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एससीओ बैठक के लिए न्योता दिया था। न्योता आने के बाद 30 अगस्त को जयशंकर ने दोनों देशों के रिश्ते पर बयान दिया था, जिसमें कहा कि पाकिस्तान से बातचीत का दौर खत्म हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी आखिरी बार साल 2015 में एक सरप्राइज विजिट पर लाहौर पहुंचे थे। तब उन्होंने पाकिस्तान के पीएम नवाज शरीफ से मुलाकात की थी। इसके बाद दिसंबर 2015 में तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज पाकिस्तान दौरे पर गई थीं। पर पाक ने पीएम व विदेश मंत्री की यात्रा की कद्र नहीं की, अगले साल ही 2016 में भारतीय जवानों के वेश मंथ 4 आतंकी उरी में भारतीय सेना के ब्रिगेड हेडक्वार्टर में घुस गए थे। 3 मिनट के अंदर आतंकियों ने 15 से ज्यादा ग्रेनेड कैंप पर फेंके थे। इस हमले में सेना के 19 जवान शहीद हो गए थे। हमले का जवाब देने के लिए 28-29 सितंबर की रात सेना ने पीओके में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक कर दी थी। इस हमले में 38 आतंकी मारे गए थे। इसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में तल्खी बढ़ती गई है। भारत में पाक कलाकारों और फिल्मों का भी बॉयकॉट हुआ। भारतीय क्रिकेट टीम भी आखिरी बार 2008 में मैच खेलने पाकिस्तान गई थी। इस साल 3-4 जुलाई को कजाकिस्तान में हुए एससीओ समिट में भी विदेश मंत्री जयशंकर ने ही भारत का प्रतिनिधित्व किया था। पिछले दो बार से पीएम इस बैठक में भाग नहीं ले रहे हैं, इसके पीछे चीन के साथ सीमा पर तनाव व पाक से खराब रिश्ते वजह मानी जा रही है। मई 2023 में पाक के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी जब गोवा में एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए भारत आए थे, तब भी भारत व पाक के बीच कोई बात नहीं हुई थी। बिलावल का यह दौरा 12 सालों में किसी पाकिस्तानी विदेश मंत्री का पहला दौरा था। जय शंकर के इस पाक दौरे का कोई भी कूटनीतिक मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए।

जयंती पर विशेष

हितानंद शर्मा

आजादी के 'अमृतकाल' में रानी दुर्गावती के विचारों की प्रासंगिकता

> वर्तमान जबलपुर के परिक्षेत्र में यह भी प्रसिद्ध है कि इस क्षेत्र में लोककल्याणार्थ रानी ने 52 तालाबों का निर्माण कराया था। जिससे वर्षा के जल का संरक्षण और भूजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। इस समय सकल विश्व स्वच्छ जल की उपलब्धता हेतु संघर्षरत है। जल बचाने की बातें प्रतिदिन हम सोशल मीडिया के माध्यम से देखते हैं। ऐसे में महारानी दुर्गावती के जलापूर्ति संबंधी विचार और भारत के विविध क्षेत्रों में नहर, तालाब, कुओं आदि का निर्माण समृद्ध भारत के पुनर्निर्माण आजादी के अमृतकालद्ध में निश्चित ही प्रेरक सिद्ध होंगे।

मध्य भारत की सुनहरी भूमि पर स्थित कालिंजर के किले में चंदेल वंश में उत्पन्न महारानी दुर्गावती की शौर्य गाथा से पूरा भारत परिचित है। रानी दुर्गावती के शासनकाल में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष नामक चारों पुरुषार्थ विद्यमान थे और आकाश, वायु, अग्नि आदि पंचमहाभूत संतुलित होकर माता वसुंधरा के संरक्षण व संवर्धन करने को लालायित थे। प्रजा खुशहाल थी और अर्थव्यवस्था समृद्धि की हिलोरें मार रही थी। चंदन से महात्माओं का अभिनंदन और मंदिरों में पुष्पों से प्रभु का वंदन होता था। उनकी इन्हीं विशेषताओं के कारण आज आजादी के अमृतकाल में रानी दुर्गावती के 500वें जन्मदिवस के समय गोंडवाना क्षेत्र में रानी दुर्गावती का जीवनवृत्त बच्चे-बच्चे की मुंहबोली शौर्यगाथा बन चुका है। नवरात्र में जन्मी तिथि 05 अक्टूबर 1524 स्थान, कालिंजर दुर्ग रानी को माता भगवती की विशेष अनुकंपा जानकर ही महाराजा कीरत सिंह ने अपने ज्योतिषाचार्यों से विचार विमर्श करने के पश्चात उस कन्या का नाम दुर्गावती रखा था। जो खेलने-कूदने की अल्पायु में ही शस्त्रास्त्रों में अपनी रुचि देखने लगी थी। इस संदर्भ में प्रो. चित्रभूषण श्रीवास्तव की कुछ पंक्तियां उद्धृत करने योग्य हैं 'पंद्रह सौ चौबीस में जन्मी वो चंदेलों की शान थीं। कालिंजर राजा की बेटी वो इकलौती संतान थीं। दुर्गाष्टमी अवतरण दिवस दुर्गा का ही अवतार थीं, थर्राये मुगलों की सेना ऐसी भीषण ललकार थी।' गोंडवाना रानी के राज्य की विदेशनीति तथा उनके निर्णयों में राज्य की संप्रभुता, स्वतंत्रता तथा सामाजिक समरसता को सदैव ध्यान में रखा गया था। संप्रति, रानी दुर्गावती के 500वें जन्मवर्ष में उनके ये विचार आधुनिक भारतीय लोकतंत्र के लिए अवश्य ही प्रेरक हैं, क्योंकि जब समूचा विश्व दो गुटों में बंटा हुआ है तो प्रजा के कल्याण हेतु ऐसे कठिन निर्णय लेने होते हैं। जो राज्य की संप्रभुता, अक्षुण्णता और स्वतंत्रता को ठेस न पहुंचावें। रानी दुर्गावती ने मुगल आक्रांता अकबर को उसी की भाषा में प्रत्युत्तर दिया। जबकि वे मुगल सैन्य शक्ति से भली-भांति परिचित थीं। वे अपने राज्य की विदेश नीति और आंतरिक सुरक्षा हेतु अपनी गुप्तचर संस्था के साथ नियमित रूप से बैठती थीं। जैसा कि वर्तमान काल में किसी देश का प्रधानमंत्री अपनी गुप्तचर संस्था के साथ बैठक करता है और अपनी विदेश नीति व कूटनीति को कार्यान्वित करता है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि सम-सामयिक संदर्भ में महारानी दुर्गावती की विदेशनीति विषयक विचार अतिप्रासंगिक हैं। विख्यात शासिका दुर्गावती ने गोंडवाना राज्य के रामनगर, नयनपुर, कंजरिया, कांजीवाडा, लांजी, धूमा, कतंक, बैहर, डिंगैरी, कोतमा, गाडरवारा, बनखेडी, सोहागपुर, मैहर, गैरतगंज, भेलसा, गंजबसौदा, रायसेन, सिरौंज, भोजपाल, सिहोरा, पनानगर आदि क्षेत्रों में सुव्यस्थित जलापूर्त्ति व जलनिकास हेतु अनेक तालाब, नहर, बावड़ी, कुओं आदि का निर्माण कराया था। तात्कालिक परिस्थिति में यह कार्य निःसन्देह प्रजाकल्याण हेतु सराहनीय प्रयास थाए किंतु संप्रति, जब महारानी दुर्गावती का 500वाँ जन्मदिवस वर्ष है तो जलवायु परिवर्तन के इस काल में तत्सदृश जलापूर्त्ति व निकास व्यवस्था प्रासंगिक सी लगती है।

वर्तमान जबलपुर के परिक्षेत्र में यह भी प्रसिद्ध है कि इस क्षेत्र में लोककल्याणार्थ रानी ने 52 तालाबों का निर्माण कराया था। जिससे वर्षा के जल का संरक्षण और भूजल की आपूर्त्ति सुनिश्चित हो सके। इस समय सकल विश्व स्वच्छ जल की उपलब्धता हेतु संघर्षरत है। जल बचाने की बातें प्रतिदिन हम सोशल मीडिया के माध्यम से देखते हैं। ऐसे में महारानी दुर्गावती के जलापूर्त्ति संबंधी विचार और भारत के विविध क्षेत्रों में नहर, तालाब, कुओं आदि का निर्माण समृद्ध भारत के पुनर्निर्माण आजादी के अमृतकालद्ध में निश्चित ही प्रेरक सिद्ध होंगे।

महारानी दुर्गावती ने धार्मिक समन्वय स्थापित करने हेतु भी अनेक सफल प्रयास किए थे, जिसके कारण विविध मतावलम्बियों में परस्पर गतिरोध न होते हुए समन्वय स्थापित हुआ था। महारानी दुर्गावती अपने धर्म के प्रति भी पूर्णरूपेण समर्पित रहती थीं। उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं के विभिन्न मंदिरों का निर्माण कराया था और अनेक मंदिरों में प्रभु श्रीराम, भद्रकाली, विष्णु भगवान आदि देवताओं की प्रतिमा स्थापित कर धार्मिक सद्भावना का संदेश दिया था। इस संबंध में प्रख्यात 'महारानी दुर्गावती' नामक ग्रंथ उल्लेखनीय है, जिसमें रानी दुर्गावती द्वारा निर्देशित बीरबल द्वारा शैक्षणिक कार्य, गोदान, अन्नदान, मंदिरों व विद्यालयों के निमित्त भूदान आदि का वर्णन है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जब एक ओर कट्टरवादी ताकतें गिद्धमुख किए भारतीय संस्कृति को निहार रही हैं तो दूसरी ओर भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र समन्वय और समरसता की भावना द्वारा इनको परास्त करना अत्यावश्यक है जोकि महारानी की राजनीति में दृष्टिगोचर होता था। क्योंकि, किसी देश की महानता और उसकी समृद्धि में समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग अपेक्षित होता है और सभी के समन्वय व सहयोग से ही कोई राष्ट्र उन्नति के मार्ग पर प्रशस्त होता है। रानी दुर्गावती मात्र अधिकारियों के द्वारा प्रदत्त जानकारी पर आश्रित होकर प्रजा को शासित नहीं करती थीं अपितु वे अपना वेश बदलकर जनता की नब्ज टटोलती थीं। वे सामान्य प्रजा के मध्य जाकर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली चुनौतियों को प्रजा के द्वारा ही सुनती थी और उन चुनौतियों का तत्काल अथवा राजदरबार के माध्यम से निवारण किया करती थीं। जैसाकि एक शासक को अपन गुप्तचरों के माध्यम से

(लेखक भारतीय जनता पार्टी मप्र के प्रदेश संगठन महामंत्री)

आर्थिकी

सतीश सिंह

फेडरल रिजर्व के फैसले का वैश्विक प्रभाव

अमेरिका के फेडरल रिजर्व को दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों का अगुआ माना जाता है, जिसका सबसे बड़ा कारण अमेरिकी डॉलर का दुनिया के सबसे मजबूत करेंसियों में से एक होना और सामरिक और आर्थिक दृष्टिकोण से अमेरिका का दुनिया का सबसे मजबूत देश होना है। अमूमन, फेडरल रिजर्व के नक्शे-कदम पर दुनियाभर के केंद्रीय बैंक चलते हैं। हालांकि,सभी देशों की आर्थिक स्थिति अलग-अलग होने के कारण कभी-कभी कुछ देश के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व से इतर निर्णय लेते हैं। कुछ अपवादों को छोड़ दिया जाये तो भारत भी फेडरल रिजर्व द्वारा लिए गए निर्णयों के अनुरूप कदम उठाता है। विगत 4 वर्षों में पहली बार फेडरल रिजर्व ने 18 सितंबर को नीतिगत दरों में 50 आधार अंकों की कटौती की है, जिसके बाद दुनिया के दूसरे देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा भी नीतिगत दरों में कटौती करने की संभावना बढ़ गई है। वैसे, इसे अमेरिका में संभावित आर्थिक मंदी को लेकर फेडरल रिजर्व की बढ़ती आशंकाओं के रूप में भी देखा जा रहा है, क्योंकि अभी अमेरिका में विकास की गति धीमी है, जिसमें तेजी लाने के लिए ऐसा करना जरूरी है। फेडरल रिजर्व के ताजा निर्णय के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार में ज्यादा निवेश किया है। 24 सितंबर को सेंसेक्स और निफ्टी अपने शीर्ष स्तर को छूने में कामयाब रहा। दरअसल, डॉलर के कमजोर पड़ने, उधारी दर में कमी आने, निवेश व कारोबारों में तेजी आने आदि की संभावना बढ़ी है, जिसकी पुष्टि निवेश में तेजी से हो रही है। सवाल का यहां उठना लाजिमी है कि क्या फेडरल रिजर्व की तर्ज पर आगामी मौद्रिक समीक्षाओं में भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में कटौती करेगा, क्योंकि महंगाई और विकास के बीच के तालमेल को बनाये रखने के लिए फरवरी 2023 के बाद से रिजर्व बैंक ने रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया है और यह 6.5 प्रतिशत पर बरकरार है। इसलिए, रिजर्व बैंक को रेपो दर में कटौती करने से पहले मौजूदा आर्थिक स्थिति, जीडीपी वृद्धि दर, महंगाई की स्थिति, आर्थिक गतिविधियों की गति आदि बिंदुओं पर गहन विमर्श करना होगा। भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े निरंतर बेहतर हो रहे हैं। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कैलेंडर वर्ष 2024 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 6.8 प्रतिशत और 6.1 प्रतिशत थी। हालांकि, मूडीज ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा है, जबकि 2026 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान 6.6 प्रतिशत जताया है। भले ही, मूडीज़ ने कैलेंडर वर्ष 2024 की तुलना में कैलेंडर वर्ष 2025 और 2026 में जीडीपी वृद्धि दर अनुमान कम जताया है, लेकिन ये आंकड़े विश्व के कई विकसित देशों से बेहतर हैं। खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई और अगस्त महीने में 4 प्रतिशत से नीचे रही है और बारिश के खत्म होने के बाद खाद्य पदार्थों की कीमत में कमी आने का अनुमान है, जिससे आगामी महीनों में खुदरा मुद्रास्फीति में और भी कमी आने के कयास लगाये जा रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार भी वित्त वर्ष 2025 में मुद्रास्फीति घटकर 4.5 प्रतिशत रह सकती है। एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई सितंबर 2024 में घटकर 56.7 रह गया, जो अगस्त महीने में 57.5 रहा था। सेवा पीएमआई भी सितंबर महीने में घटकर 58.9 प्रतिशत रह गया, जो अगस्त महीने में 60.9 रहा था। बेशक, विनिर्माण और सेवा पीएमआई में अगस्त महीने के मुक़ाबले सितंबर महीने में आंशिक गिरावट दर्ज की गई है। फिर भी, यह 50 से ऊपर है, जो दर्शाता है कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में तेजी का रुख बना हुआ है। रेपो दर फरवरी 2023 से 6.5 प्रतिशत के स्तर पर कायम है। दिसंबर 2023 की तुलना में ऋण उठाव में 5.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और 9 अगस्त 2024 को समाप्त पखवाड़े के लिए क्रमिक रूप से 0.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। निरपेक्ष रूप से, पिछले 8 महीनों में, ऋण उठाव 9.2 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 9 अगस्त 2024 तक 168.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अगर रेपो दर में कटौती की जाती है तो उधारी के उठाव एवं विकास में और भी तेजी आएगी। फिलवक्त जीडीपी में वृद्धि हो रही है और महंगाई भी काबू में है। साथ में, वित्त वर्ष 2025 और 2026 में भी खुदरा मुद्रास्फीति के भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित सहनशीलता सीमा के अंदर रहने के आसार हैं। पुनश्चः डॉलर के कमजोर रहने और निवेश व ऋण उठाव में तेजी आने से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आ रही है, जिसे और भी बढ़ाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक अगली मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में कम से कम 25 आधार अंकों की कटौती कर सकता है।

(लेखक एसबीआई में एजीएम हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

वे भारत की मातृशक्ति के पराक्रम, शौर्य और आत्मनिर्भरता का प्रतीक

वीरांगना रानी दुर्गावती सुशासित व समृद्ध साम्राज्य की प्रेरणास्रोत

क्रांतिदीप अलूने

उप संचालक, जनसंपर्क संचालनालय, भोपाल

वीरांगना रानी दुर्गावती महिला शासकों के भारतीय स्वर्णिम इतिहास का एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षर है। रानी दुर्गावती ने 16वीं शताब्दी में गोंडवाना राज्य की शासक के रूप में अपने साहस और नेतृत्व के लिए ख्याति प्राप्त की। उनकी जन-कल्याणकारी व्यवस्था को सुशासन का एक उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है।

रानी ने एक संतुलित, न्यायपूर्ण और विकासात्मक प्रणाली के रूप में शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए गोंडवाना को एक मजबूत और समृद्ध साम्राज्य बनाया। वीरांगना रानी दुर्गावती के शासन में गोंड संस्कृति ने देश की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध किया है। उन्होंने अपनी पारंपरिक प्रथाओं से पर्यावरण के संवर्धन और संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाई है। रानी दुर्गावती गोंड समुदाय के पराक्रम, भारतीय वीरता और शूरता की साक्षात प्रतिमूर्ति थीं। मुगल साम्राज्य की अधीनता स्वीकार न करने वाली रियासतों के लिए मुगल काल में सुरक्षित रहना बहुत कठिन माना जाता था, ऐसे समय में गोंडवाना साम्राज्य की संरक्षिका के रूप रानी दुर्गावती के कार्य एवं अपूर्व वीरता के साथ राज्य के विकास में किया गया अभूतपूर्व योगदान सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। वर्तमान जबलपुर उनके साम्राज्य का केंद्र था। रानी ने करीब 16 वर्ष तक शासन किया। उन्होंने अपने कार्य-काल में अनेक मंदिर, मठ, कुए, बाविड़यां तथा धर्मशालाएं बनवाईं। लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए रानी की कीर्ति दूर-दूर तक फ़ैल गई। रानी दुर्गावती के गढ़ मंडला पर मुगल सूबेदार बाजबहादुर की बुरी नजर थी, लेकिन युद्ध में रानी दुर्गावती ने उसकी पूरी सेना का सफाया कर दिया और फिर वह कभी पलटकर नहीं आया। रानी दुर्गावती ने मुगलों के खिलाफ अपनी भूमि की रक्षा के लिए जिस अद्वितीय साहस का परिचय दिया, वह भारत की मातृशक्ति के पराक्रम, शौर्य और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। जन-कल्याण के प्रति इसी प्रतिबद्धता और मातृभूमि की सुरक्षा के संकल्प ने रानी दुर्गावती को एक महान नेतृत्वकर्ता और शासक के रूप में इतिहास में अमर बना दिया। उनका जीवन और न्यायपूर्ण शासन आज भी प्रेरणा का ऊर्जा स्रोत है।

सटाका

आज की पाती

युद्ध हमेशा नुकसान लेकर आए हैं

ईरान ने इजरायल पर अप्रैल में हमला किया था। उसी समय से इन दोनों में तनाव चल रहा है और अब ईरान ने एक बार फिर से जबरदस्त हमला इजरायल पर किया। इस बार उसने लगभग 180 मिसाइलों से हमला किया और बहुत ज्यादा ताकतवर मिसाइल फतह-2 का प्रयोग किया। यह मिसाइल हाइपरसोनिक मीडियम-रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है। ईरान-इजरायल के बीच जो तनाव बढ़ रहा है, उसके लिए कुछ बुद्धिजीवी और अन्य लोग यह मान रहे हैं कि इन दोनों देशों का यह तनाव विश्व को विश्व युद्ध की तरफ ले जा सकता है। युद्ध चाहे किसी भी युग में क्यों न हो, हमेशा बर्बादी ही लाता है। लेकिन प्राणी जाति में सबसे समझदार समझा जाने वाला इनसान युद्ध में ही विश्वास रख रहा है। - देवेंद्र यादव, राजिम

ट्रेंड

मेरी गहरी संवेदनाएं!

मिर्जापुर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। इसमें जान गंवाने वालों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जीरो टॉलरेंस की नीति

एक ओर जहां मोदी सरकार 'नशामुक्त भारत' के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है, वहीं उत्तर भारत से पकड़ी गई ड्रग्स की 5,600 करोड़ की खेप में कांग्रेस के एक प्रमुख व्यक्ति की संलिप्तता बेहद खतरनाक और शर्मनाक है।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

खनन में नीलामी

सरकार ने अधिक पारदर्शिता के लिए खनन में नीलामी शुरू की थी। लेकिन सीमित ब्लॉक ही ऑफर पर होते हैं और इतने सारे स्टील निर्माता कच्चे माल की सुरक्षा चाहते हैं, तो मांग-आपूर्ति में विसंगति होती है और बोली की कीमतें बढ़ जाती हैं।

-अनिल अग्रवाल, उद्योगपति

'पानी' अस्तित्व की लड़ाई

ऐसी दुनिया में जहां पानी दुर्लभ है, प्रेम सबसे बड़ा संसाधन है। यह हमें दिखाता है कि जब जुनून और उद्देश्य एक हो जाते हैं, तो कुछ भी संभव है। फिल्म 'पानी' कहानी से कहीं अधिक अस्तित्व की लड़ाई है।

-प्रियंका चोपड़ा, अभिनेत्री

करंट अफेयर

नोबेल पुरस्कारों की घोषणा अगले हफ्ते से होगी शुरू

दुनिया के कई हिस्सों में छिड़े युद्ध, शरणार्थी संकट, अकाल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस दौर में अगले हफ्ते से नोबेल पुरस्कारों की घोषणा शुरू हो जाएगी। पुरस्कार के ऐलान के सप्ताह में संयोग से सात अक्टूबर की वह तिथि भी आएगी जो हमास की अगुवाई में इजराइल पर किये गये हमले की बरसी भी है। हमास के हमले के बाद से पूरे पश्चिम एशिया में रक्तपात और युद्ध की शुरुआत हो गई जो करीब सालभर से जारी है। साहित्य और विज्ञान के लिए नोबेल पुरस्कार को छूट दी जा सकती है। लेकिन संघर्ष को समाप्त करने के प्रयासों को मान्यता देने वाला शांति पुरस्कार अगर दिया जाता है तो यह 'अंतरराष्ट्रीय हिंसा' के माहौल में दिया जाएगा। 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' के निदेशक डैन स्मिथ ने कहा, ''मैं दुनिया पर नजर डालता हूं तो बहुत अधिक संघर्ष, शत्रुता और टकराव देखता हूं। मुझे आश्चर्य होता है कि क्या यह वह वर्ष है जब नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा नहीं की जानी चाहिए।''

ऑफ बीट

हम नहीं जानते कि सारा ब्रह्मांड अनंत है या नहीं

लगभग 400 साल पहले दूरबीनों के आविष्कार के साथ इंसान कहीं ज़्यादा दूर तक देखने में सक्षम हुए और वहां तक देख पाए जहां सिर्फ आंखों से देख पाना संभव नहीं था। वे आकाश में नई चीजों की खोज करते रहे। उन्हें और भी तारे मिले और फिर अंततः उन्होंने पाया कि वहां अजीब से दिखने वाले बहुत सारे ब्रह्मांडीय बादल थे। खगोलविदों ने इन्हें 'नेबुला' नाम दिया जो लैटिन शब्द 'धुंध' या 'बादल' से लिया गया है। हमने करीब 100 वर्ष पूर्व, पहली बार पुष्टि की थी कि ये ब्रह्मांडीय बादल या नेबुला वास्तव में आकाश गंगाएं हैं।हालांकि तकनीकी रूप से हमारे ब्रह्मांड का एक छोर है। हम इसे अपना ''अवलोकनीय' ब्रह्मांड कहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम वास्तव में नहीं जानते कि हमारा ब्रह्मांड अनंत है या नहीं। दुर्भाग्यवश हम प्रकाश की गति के कारण कभी भी यह नहीं जान पाएंगे। हम केवल वही प्रकाश देख सकते हैं जो हमारे पास आने के लिए पर्याप्त समय ले चुका हो। प्रकाश ठीक 299,792,458 मीटर प्रति सेकंड की गति से यात्रा करता है। इतनी गति से भी हमारे ब्रह्मांड को पार करने में इसे काफी समय लगता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि ब्रह्मांड का आकार कम से कम 96 अरब प्रकाश वर्ष है और संभवतः इससे भी बड़ा है।

गौ सेवा एवं पेड़ लगाकर नवरात्रों का शुभारंभ एवं जन्मदिन मनाया गया

द पुलिस पोस्ट

अलवर सनातन ब्राह्मण कल्याण फाउंडेशन के युवा अध्यक्ष नवीन गौड़ ने कांजी हाउस में गोवंश को हरा चारा खिलाकर नवरात्रों का शुभारंभ किया इसके साथ अपना जन्मदिन मनाया। इसमें संस्थापक यश जोशी ने बताया कि मां दुर्गा के नवरात्रों में प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति और गौ माता कि सेवा करनी चाहिए। जिसमें संस्था के युवा साथियों द्वारा 8 पीपल के पेड़ लगाएं और साथ संरक्षण का संकल्प भी लिया । इस दौरान भविक जोशी, रवि शर्मा, चेतन शर्मा, यक्ष जोशी, जेपी शर्मा, गोविंद, रवि आदि मौजूद रहे।

भीलवाडा पुलिस द्वारा 2 आदतने अपराधीयो की खोली हिस्ट्रीशीट

अपराधी सेफ अली के विरूद्ध 06 प्रकरण थाना कोतवाली पर दर्ज,

द पुलिस पोस्ट

श्री धर्मेन्द्र सिंह आईपीएस जिला पुलिस अधीक्षक जिला भीलवाडा द्वारा जिले मे आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु समस्त थानाधिकारीगण जिला भीलवाडा को निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में थाना कोतवाली का आदतने

अपराधी सेफ अली पुत्र आबिद हुसैन उम्र 28 साल निवासी हुसैन कॉलोनी थाना कोतवाली भीलवाडा के विरूद्ध एन डी पी एस एक्ट, आर्म्स एक्ट व लडाई झगडा के कुल 06 प्रकरण दर्ज व थाना भीमगंज का आदतने अपराधी मनोज खटीक पुत्र मदन लाल खटीक उम्र 37 साल निवासी पुरानी धान मण्डी हाल दादाबाडी थाना भीमगंज भीलवाडा के विरूद्ध जुआ- सटटा , आर्म्स एक्ट व लडाई झगडा, सरकारी कर्मचारियो पर हमला के कुल 13 प्रकरण दर्ज है। हर दोनो अपराधियो से आमजन मे काफी भय होने से इन पर सतर्क निगरानी कि जाना आवश्यक है। व आमजन को भय मुक्त कराने के लिये राजस्थान पुलिस नियम 1965 के नियम 4.9 (2) के अनुसार हिस्ट्रीशीट खोलने की स्वीकृति थाना कोतवाली व भीमगंज को दी गई।

समदड़ी क्षेत्र के करमावास में देह व्यापार का गोरखधंधा, पुलिस की मिलीभगत का आरोप !!

द पुलिस पोस्ट

समदड़ी, करमावास समदड़ी थाना क्षेत्र के करमावास गाँव में देह व्यापार का गोरखधंधा पुलिस की मिलीभगत से खुलेआम चल रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि रात 8 बजे के बाद करमावास-बामसीन सड़क मार्ग पर कुछ महिलाएं राहगीरों का रास्ता रोककर उनसे लूटपाट करती हैं। इन घटनाओं के बावजूद, पुलिस को सूचना देने पर भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती, जिससे क्षेत्र में आतंक का माहौल बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि साठिया जाति की कुछ महिलाएं इस गोरखधंधे में शामिल हैं और देर रात आने-जाने वाले लोगों को निशाना बनाती हैं। पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने कहा कि यह देह व्यापार लंबे समय से चल रहा है, लेकिन इसके खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। करमावास गांव इस अवैध गतिविधि के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम हो चुका है। कई न्यूज़ एजेंसियों ने इस पर डॉक्युमेंट्री और रिपोर्टिंग भी की है। इसके बावजूद, प्रशासन की निष्क्रियता को लेकर स्थानीय लोग नाराज हैं और सवाल उठा रहे हैं कि आखिर कब प्रशासन इन गतिविधियों पर अंकुश लगाएगा। सड़क पर हो रही इस अवैध गतिविधि से लोगों में डर का माहौल है, और ग्रामीणों ने यात्रा करने वालों को विशेष रूप से रात में इस मार्ग पर सतर्क रहने की सलाह दी है। महिलाओं द्वारा गाड़ियों को रोककर अवैध गतिविधियों में संलिप्त होने की खबरें आम हो गई हैं, जिससे गाँव की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर कब कार्रवाई करेगा और करमावास के लोगों को कब राहत मिलेगी।

सड़क को चौड़ी करने का मामलाएयरपोर्ट बाउंड्रीवॉल के चारों ओर 3-3 मीटर का पेरिफेरी कॉरिडोर बनेगा,

द पुलिस पोस्ट

जयपुर जगतपुरा-सांगानेर कनेक्टिंग सड़क को चौड़ी करने का मामला उलझने के बाद जेडीए एयरपोर्ट पेरिफेरी कॉरिडोर को खाली करवाने की तैयारी कर रहा है। इसे खाली करवाने का मामला भी लंबे समय से अटका हुआ है, जिसकी शिकायत एयरपोर्ट अथॉरिटी ने जेडीए से की है। इसके बाद अलग-अलग जोन की टीम ने इस पर फिर से काम शुरू किया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने अपनी शिकायत में बताया कि बीते एक-दो साल में बाउंड्रीवॉल से सटकर कई बिल्डिंग बन गई हैं, जिससे सुरक्षा में दिक्कत हो सकती है। ऐसे में जेडीए ने ऐसे अतिक्रमण चिह्नित करना शुरू कर दिए हैं, जो एयरपोर्ट पेरिफेरी कॉरिडोर में हैं। फाइनल रिपोर्ट तैयार कर जेडीए प्रवर्तन शाखा नोटिस देकर कार्रवाई करेगी।

अक्टूबर से इंटरनेशनल फ्लाइट्स ऑपरेशन

जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 से 27 अक्टूबर से इंटरनेशनल फ्लाइट्स ऑपरेशन शुरू हो जाएगा। इसके बाद दिसंबर में राइजिंग राजस्थान का आयोजन है। सुरक्षा नियमों की देखते हुए पेरिफेरी कॉरिडोर होना जरूरी है।

पेट्रोलिंग के जरूरी है कॉरिडोर

एयरपोर्ट नियमों के अनुसार चारों तरफ 3-3 मीटर का कॉरिडोर जरूरी है, ताकि एयरपोर्ट सिक्योरिटी टास्क फोर्स टीम अंदर के साथ-साथ बाहर की तरफ भी पेट्रोलिंग कर सके। एयरपोर्ट पर सांगानेर से जगतपुरा तक कॉरिडोर के लिए जगह खाली है, कुछ जगह निर्माण है। इसके अलावा जगतपुरा, सिद्धार्थ नगर सहित अन्य आवासीय कॉलोनियां बसने से एयरपोर्ट सीमा से लगकर निर्माण हो गए हैं।

जिला कलक्टर नमित मेहता का आसींद दौरा

शंभुगढ़ में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में सुनी आमजन की समस्याएं, ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित सार्वजनिक लाइब्रेरी का किया उद्घाटन

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा, जिला कलक्टर नमित मेहता शुक्रवार को आसींद क्षेत्र के दौरे पर रहें। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत शंभूगढ में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनी। इसके पश्चात उन्होंने शंभुगढ़ पीएचसी का औचक निरीक्षण किया और स्वास्थ्य व्यवस्थाएं जांची। साथ ही राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय और उपतहसील कार्यालय का भी निरीक्षण किया। त्रिस्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं को सुनने के लिए जिला कलक्टर नमित मेहता शंभुगढ़ ग्राम पंचायत पहुंचें। उन्होंने ग्रामीणों के पेयजल, बिजली, सड़को के मरम्मत, बिजली के बिल, हैंडपंप लगवाने सहित विभिन्न परिवेदनाओं के कुल 27 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की।

पेयजल सप्लाई दुरुस्त करने के दिए निर्देश

जनसुनवाई में स्थानीय लोगों ने ज्यादातर पेयजल से संबंधित समस्याएं जिला कलक्टर के समक्ष रखी। जिला कलक्टर ने इसे गंभीरता से लेते हुए पीएचईडी और चंबल के अधीक्षण अभियंताओं को क्षेत्र का दौरा कर आमजन की पेयजल संबंधी समस्याएं सुनने और पेयजल सप्लाई दुरुस्त करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही क्षेत्र की पेयजल समस्या के समाधान के लिए रेगुलर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित सार्वजनिक लाइब्रेरी का भी उद्घाटन किया। सरपंच पारस देवी ने बताया कि लाइब्रेरी में लगभग 150 छात्र छात्राओं के लिए बैठकर पढ़ने की व्यवस्था की गई है। साथ ही इंटरनेट हेतु वाई-फाई कनेक्शन और सुरक्षा हेतु सीसीटीवी कैमरा की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर सीईओ चंद्रभान भाटी, सरपंच पारस देवी, एसडीएम रोहित चौहान, तहसीलदार बी.एल. सैन सहित पानी, बिजली, चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी तथा ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

पीएचसी, राजकीय विद्यालय, उप तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया

पीएचसी का औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर ग्रामीणों ने स्टाफ की प्रशंसा की

इसके पश्चात जिला कलक्टर नमित मेहता ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शंभुगढ़ का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सकीय प्रबंधन बेहतर रखें एवं मरीज का त्वरित उपचार हो। इसके साथ ही जिला कलक्टर ने पीएचसी प्रभारी को अस्पताल परिसर में रंगरोशन साफ सफाई, मरीजों तथा उनके परिजनों के लिए बैठक व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल के प्रभारी से अस्पताल की चिकित्सा की स्थिति की जानकारी ली। सीएमएचओ डॉ सीपी गोस्वामी भी साथ मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने इलाज के लिए आए ग्रामीणों से अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। ग्रामीणों ने अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्थाओं को लेकर प्रसंशा जाहिर की। उन्होंने अस्पताल की प्रयोगशाला, दवा वितरण केंद्र, स्टोर रूम सहित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। जिला कलक्टर ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शंभूगढ़ का भी निरीक्षण किया। जहां प्रिंसिपल से मिड डे मील योजना, पन्नाध्याय बाल गोपाल योजना की प्रगति की जानकारी ली।

उप तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया

जिला कलक्टर नमित मेहता ने उपतहसील कार्यालय, शंभुगढ का औचक निरीक्षण किया जहां नायब तहसीलदार को परिसर की साफ सफाई, झाड़ियां हटवाने और दिवाली से पहले रंगरोशन का कार्य करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने यहां प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक लेकर क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी ली तथा विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए आमजन की समस्याओं का तुरंत समाधान करने के निर्देश भी दिए।

’जयपुर पुलिस आयुक्त 7 अक्टूबर को जवाहर सर्किल थाने में करेंगे जनसुनवाई’

द पुलिस पोस्ट

जयपुर, आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस आयुक्त श्री बीजू जॉर्ज जोसफ 7 अक्टूबर (सोमवार) को 11 एएम से 2 पीएम तक पुलिस थाना जवाहर सर्किल में जन सुनवाई करेंगे। जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रथम श्री कुँवर राष्ट्रदीप, पुलिस उपायुक्त पूर्व श्रीमती तेजस्वनी गौतम, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पूर्व, सहायक पुलिस आयुक्त मालवीय नगर संबंधित एसएचओ और थाने के अधिकारी गण उपस्थित रहेंगे। इस दौरान वृत क्षेत्र मालवीय नगर जयपुर (पूर्व) के परिवादियों की जनसुनवाई की जावेगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है। गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस आयुक्त द्वारा शिप्रापथ (जयपुर दक्षिण), कानोता (जयपुर पूर्व), करधनी (जयपुर पश्चिम), विद्याधरनगर (जयपुर उत्तर), शिवदासपुरा (जयपुर दक्षिण), बगरू (जयपुर पश्चिम), चौमू (जयपुर पश्चिम), प्रतापनगर (जयपुर पूर्व) एवं जयसिंहपुरा खोर (जयपुर उत्तर) थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

’पुलिस थाना मालवीय नगर, जवाहर सर्किल, बजाजनगर, खोह नागोरियान, एयरपोर्ट जयपुर (पूर्व) के परिवादियों की जनसुनवाई की जावेगी

जयपुर के पहाड़ों पर विराजमान मंदिरों की रिपोर्ट 1800 साल प्राचीन अम्बा माता मंदिर

द पुलिस पोस्ट

जयपुर जयपुर बसावट से पहले का आमागढ़ की पहाड़ियों पर प्राचीन अम्बा माता का मंदिर है। यहां पर माता की करीब सवा दो फीट ऊंची मूर्ति विराजित है। पहाड़ी के उपर से ऐसा भव्य दृश्य दिखता है कि मानो माता जयपुरवासियों को देख रही है। भक्तों की मान्यता है कि माता की यह मूर्ति पहाड़ी पर ही स्वंयभू प्रकट हुई थी। हर साल नवरात्रों में यहां पर माता के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। यह मंदिर 1800 पुराना है, जिसके पास ही आमागढ़ किला भी है। मोहनदास महाराज ने बताया कि नवरात्रों में तो दर्शनों के लिए आने वाले भक्तों का तांता ही लगा रहता है। अम्बा माता मंदिर के संचालन के लिए एक कमेटी बनीं हुई। गुंबद सहित बने गर्भगृह में माता अम्बा जी विराजमान है। मंदिर में कांच की बारीक मीनाकारी हो रखी है। यहा पर आमागढ़ किला भी है, ऐसी मान्यता है कि ये मीणा राजाओं का दुर्ग था।

पश्चिम दिशा में है माता का मुख, सेवा-पूजा के लिए बनाई समिति

अम्बा माता की नियमित सेवा-पूजा व व्यवस्थाओं के लिए समिति भी बनीं हुई है। अम्बा माता दुर्ग आदिवासी मीना समाज विकास एवं सेवा समिति के संयोजक गोपाल खाडू ने बताया कि अंबा माता का यह मंदिर करीब 1800 साल पुराना है। मीना समाज के लोग माता को कुलदेवी के रूप में पूजते है। पहले यहां चूने-पत्थर से बना मंदिर हुआ करता था, बाद में मार्बल व कांच का काम करवाया गया। मंदिर के चारों ओर करीब 8 फीट ऊंची चार दिवारी भी हो रखी है, जिसकी दिवार मिट्टी व पत्थरों की करीब तीन फीट चौड़ी है। मंदिर परिसर में ही चार कमरे भी बनें हुए हैं। माता का मुख पश्चिम दिशा की ओर है। यहां पर जयपुर शहर व ग्रामीण, दौसा, सवाई माधोपुर, करौली, सहित प्रदेशभर से भक्त माता के दर्शनों के लिए आते हैं। महाराष्ट्र व एमपी से भी कई भक्त दर्शनों के लिए आते रहते हैं।

माता के दर के लिए 2 किमी चलना पड़ता है पहाड़ी पर

दिल्ली रोड स्थित गलता गेट से करीब 2 किमी आमागढ़ की पहाड़ियों पर बनें उबड़-खाबड़ रास्ते से होकर मंदिर तक पहुंचना पड़ता है। इस बीच सूर्य मंदिर भी है। नवरात्र में माता के दर्शनों के लिए पट दिनभर खुले रहते हैं। यहां पर अखंड ज्योत भी जल रही है। मंदिर परिसर में ही शिव पंचायत व हनुमानजी की मूर्ति विराजमान है।

बाली में पूर्वजों की सौगात कार्यक्रम का हुआ आयोजन

द पुलिस पोस्ट

देसुरी बाली के श्री निंबेश्वर धाम प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में बुधवार को पूर्वजों की सौगात कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व राष्ट्र के गौरव पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जन्म जयंती पर पुष्प मालाएं अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई बीके स्नेहा बहिन ने बताया कि हमारे पूर्वज ही हैं हमारी असली धरोहर, जिनके आशीर्वाद से हर पीढ़ी फलती-फूलती है। यह वह धरोहर है जो नज़र नहीं आती, पर हर कामयाबी इन्हीं से मिलती है का भाव लेकर कार्यक्रम में अतिथि उपस्थित हुए अतिथि ठाकुर अभिमन्यु सिंह, मोहन सिंह राजपुरोहित विकास संघ अध्यक्ष फालना, शिक्षाविद सुलेमान टॉक, मूलसिंह राजपुरोहित, एडवोकेट इंदरराज भंडारी, सनातन धर्म मंडल अध्यक्ष अजयपालसिंह जोधा सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित कर अपने जीवन में पूर्वजों की अहमियत रखी इस मौके पर मानाराम चौधरी, जीवाराम पालीवाल, ताराचंद, लकमाराम सहित अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहे। बीके स्नेहा बहिन व दिशी बहिन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व राष्ट्र के गौरव पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को दी श्रद्धांजली

जयपुर : बैरवा डिप्टी सीएम बने रहेंगे फिलहाल राजस्थान की राजनीति में कोई बदलाव नहीं

द पुलिस पोस्ट

जयपुर 3 अक्टूबर को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस मुलाकात को प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकार सूत्रों के अनुसार इस मुलाकात में प्रदेश में होने वाले विधानसभा के 7 उपचुनावों के साथ साथ डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा और कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। सीएम ने अपनी ओर से प्रदेश में राजनीतिक हालात सामान्य होना बताया। इस मुलाकात के बाद ही संकेत मिले हैं कि डॉ. बैरवा डिप्टी सीएम के पद पर बने रहेंगे। फिलहाल प्रदेश की राजनीति में कोई बदलाव नहीं होगा। हालांकि सोशल मीडिया पर डॉ. बैरवा को लेकर अनेक चर्चाएं हो रही है। ऐसी चर्चा बैरवा के पुत्र की मौज मस्ती वाली खबर तक ही सीमित नहीं है। बल्कि डॉ. बैरवा के क्रियाकलापों से भी जुड़ी है। सोशल मीडिया की खबरों की आग में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने घी डालने का काम किया है। श्रीनेत ने राजस्थान होटल और रसिया के चार शब्दों का इस्तेमाल किया है। जानकार सूत्रों के अनुसार सोशल मीडिया में डॉ. बैरवा को लेकर जो खबरें प्रसारित हो रही है, उन सबकी जानकारी भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को है। भले ही इन खबरों में कोई सच्चाई न हो, लेकिन इससे भाजपा की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। 3 अक्टूबर को उदयपुर में मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ् मंच पर बैरवा की उपस्थिति से जाहिर है कि अभी भी भाजपा हाईकमान का भरोसा बैरवा पर बना हुआ है। चूंकि प्रदेश में होने वाले उपचुनावों में मुख्यमंत्री शर्मा की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई है, इसलिए सीएम शर्मा भी उपचुनाव से पहले कोई बदलाव नहीं चाहते है। सूत्रों की मानें तो 3 अक्टूबर की मुलाकात में सीएम शर्मा ने डॉ. बैरवा का बचाव ही किया है। शर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा को भरोसा दिलाया कि वे हालातों को नियंत्रित कर लेंगे। सूत्रों के अनुसार कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा पर भी अभी कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा। भले ही मीणा रोजाना अपने इस्तीफे को स्वीकार करने की बात कहे, लेकिन मीणा और सीएम शर्मा के बीच सौहार्द संवाद बना हुआ है

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह बोले

भारत को भी चाहिए आयरन डोम जैसा एयर डिफेंस सिस्टम, एस400 की डिलीवरी का इंतजार, 2047 तक संपूर्ण वायुसेना का विकास और उत्पादन भारत में करने का लक्ष्य

भारतीय वायुसेना के नव नियुक्त प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा है कि भविष्य में पूरी तरह से भारत में ही विमान और हथियार प्रणाली विकसित करने की योजना है। भारत तेजस, तेजस एमके2, एएमसीए, एस्ट्रा और बड़ी लंबी दूरी के हथियारों को विकसित करने जैसे प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

92वें वायु सेना दिवस के वर्षगांठ समारोह पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए भारतीय वायुसेना के नव नियुक्त प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शुक्रवार को आयोजित अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दुनिया में जहां युद्ध और एयर पावर का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है, भारतीय वायु सेना अपनी रक्षा प्रणालियों और क्षमताओं को मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि भारत को भी इजराइल जैसा आयरन डोम डिफेंस एयर सिस्टम चाहिए।

हम आयरन डोम जैसा सिस्टम खरीद रहे हैं, लेकिन हमें उनकी और जरूरत है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने इजराइल-ईरान संघर्ष से मिले सबक और आने वाले वर्षों में भारत की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय वायुसेना की आगामी योजनाओं का खुलासा किया।

1. पूर्वी लद्दाख में ज्यादा एडवांस लैंडिंग ग्राउंड और नए एयरबेस बना रहे
2. वायुसेना अपने कर्मियों के कौशल को भी निखार रही

अग्निवीर वायु का फीडबैक बहुत अच्छा

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि अगर हमें 25 फीसदी से ज्यादा अग्निवीरों को स्थाई करना पड़े, तो हम इसके लिए तैयार हैं, लेकिन यह फैसला सरकार को करना है। हमसे कोई अनुशंसा नहीं मांगी गई है। अब तक अग्निवीर वायु का फीडबैक बहुत अच्छा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना सिर्फ इक्विपमेंट्स पर ही ध्यान नहीं देती है, बल्कि अपने कर्मियों के कौशल को निखारने पर भी ध्यान देती है। उन्होंने वायु शक्ति, तरंग शक्ति और गगन शक्ति जैसे अभ्यासों का जिक्र करते हुए कहा, हम विचारों का आदान-प्रदान करने और दूसरों से सीखने के लिए बहुत सारे अभ्यास करते हैं। अकेले गगन शक्ति अभ्यास में 7,000 से ज़्यादा उड़ानें भरी गईं, जो युद्ध के लिए तैयार रहने की भारतीय वायुसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बालाकोट में ऐसा कर चुके

वहीं जब एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह से पूछा गया कि कि क्या इजराइल लेबनान में हिज़्बुल्लाह प्रमुख को मार सकता है, तो भारत ऐसा क्यों नहीं करता? इस पर उन्होंने जवाब दिया कि हम बालाकोट में ऐसा कर चुके हैं, कहां किसको मार सकते हैं, वो मैं नहीं बताउंगा।

2047 तक भारत में बनाए जाएंगे

एयर चीफ मार्शल ने कहा कि भविष्य में पूरी तरह से भारत में ही विमान और हथियार प्रणाली विकसित करने की योजना है। उन्होंने कहा, हम तेजस, तेजस एमके2, एएमसीए, एस्ट्रा और बड़ी लंबी दूरी के हथियारों को विकसित करने जैसे प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इनमें एमआरएसएएम और आकाश जैसी सतह से हवा में मार करने वाली गाइडेड मिसाइलें भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि 2047 तक संपूर्ण वायुसेना का विकास और उत्पादन भारत में ही हो, जिसमें ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम जैसी स्वदेशी तकनीकों को डेवलप करने पर जोर दिया जाएगा।

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण

उन्होंने कहा कि भारत को भी इजराइल जैसा आयरन डोम डिफेंस एयर सिस्टम चाहिए। हम आयरन डोम जैसा सिस्टम खरीद रहे हैं, लेकिन हमें उनकी और जरूरत है। अभी, हमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए और उन्हें प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि हमारी संख्या सीमित है।

इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बना रहे

उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। चीन अपनी सीमा पर तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा रहा है और हम अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाकर और अन्य तरीकों से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में ज्यादा एडवांस लैंडिंग ग्राउंड और नए एयरबेस बना रहे हैं।

युद्ध से डिलीवरी में देरी

उन्होंने कहा कि हमें रूस से तीन एस400 एयर डिफेंस सिस्टम मिल चुके हैं, जो ऑपरेशनल हैं, अगले साल तक बाकी दो एस400 एयर डिफेंस सिस्टम की डिलीवरी हो जाएगी। उरूस-यूक्रेन जंग के चलते उनकी डिलीवरी में देरी हो रही है। भारत के क्षेत्रफल को देखते हुए हमें ये देखना है कि हम उसका डिप्लॉयमेंट कहां करेंगे।

खबर संक्षेप

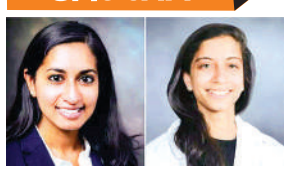

'व्हाइट हाउस फेलो' नामित हुई 2 भारतीय

न्यूयॉर्क। अमेरिका में दो भारतीय अमेरिकी महिलाओं- बोस्टन से पद्मिनी पिल्लई और न्यूयॉर्क से नलिनी टाटा को 2024-2025 के सत्र के लिए 'व्हाइट हाउस फेलो' नामित किया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए अमेरिका से कुल 15 विशिष्ट प्रतिभाशाली व्यक्तियों का चयन किया गया है। टाटा को 'व्हाइट हाउस' के कैबिनेट मामलों के कार्यालय में नियुक्त किया गया है, जबकि पिल्लई को सामाजिक सुरक्षा प्रशासन में नियुक्त किया है।

दुनिया के दूसरे अमीर व्यक्ति बने जकरबर्ग

नई दिल्ली। मार्क जकरबर्ग गुरुवार को पहली बार दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। संपत्ति के मामले में उन्होंने अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस को पीछे छोड़ दिया। ऐसा मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में लगातार बढ़ोतरी के कारण हुआ। मेटावर्स और एआई पर जकरबर्ग के जिस दांव को शुरू में एक बहुत बड़ी विफलता की तरह देखा जा रहा था, हाल के महीनों में सफल साबित हुआ है। गुरुवार को जकरबर्ग की कुल संपत्ति 206.2 बिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच गई।

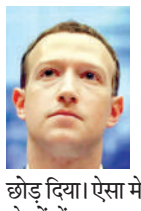

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा

एससीओ समिट के लिए विदेश मंत्री जयशंकर पाकिस्तान जाएंगे, 9 साल पहले गईं थी सुषमा

विदेश मंत्रालय ने बताया है कि शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारत और पाकिस्तान के अलावा कजाखस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान के शीर्ष नेता भी शरीक होंगे। भारत एससीओ चार्टर को लेकर प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की यात्रा का यही कारण है। इसका कोई और मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया है कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत से विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर पाकिस्तान दौरे पर जाएंगे।

वे इस्लामाबाद में एससीओ के काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंटकी बैठक में शामिल होंगे। पाकिस्तान दौरे पर एक प्रतिनिमंडल भी उनके साथ जाएगा। बता दें कि इस्लामाबाद में एससीओ समिट आगामी 15-16 अक्टूबर को प्रस्तावित है। शंघाई सहयोग संगठन की इस बैठक में भारत और पाकिस्तान के अलावा कजाखस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान के शीर्ष नेता भी शरीक होंगे। विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जायसवाल से सवाल किया गया कि क्या जयशंकर की यात्रा भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने की कोशिश है। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि भारत एससीओ चार्टर को लेकर प्रतिबद्ध है। जयशंकर की यात्रा का यही कारण है।

मुइज्जू की द्विपक्षीय यात्रा होगी

उन्होंने कहा, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू 7 से 10 अक्टूबर 2024 तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। यह उनकी भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। इससे पहले जून, 2024 में भी मुइज्जू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत आए थे। मुइज्जू बेंगलुरु और मुंबई भी जाएंगे।

◆ मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू 7-10 अक्टूबर भारत की राजकीय यात्रा पर

◆ एससीओ समिट आगामी 15-16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में प्रस्तावित

लंबे समय से उच्च स्तरीय बैठक नहीं

पीएम नरेंद्र मोदी आखिरी बार साल 2015 में एक सरप्राइज विजिट पर लाहौर पहुंचे थे। तब उन्होंने पाकिस्तान के पीएम नवाज शरीफ से मुलाकात की थी। इसके बाद दिसंबर 2015 में भारत की तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज भी पाकिस्तान दौरे पर गई थीं। उनके इस दौरे के बाद से भारत के किसी भी प्रधानमंत्री या मंत्री ने पाकिस्तान की यात्रा नहीं की है। 2019 में जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। तब से दोनों देशों के बीच कोई उच्च स्तरीय बैठक नहीं हुई है।

सुरक्षित जगहों पर जाने का विकल्प

पश्चिम एशिया के संकट पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि हिंसा और स्थिति हमारे लिए गहरी चिंता का विषय है। हमने सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा का पर जोर दिया था। हमारी राय में यह महत्वपूर्ण है कि हिंसक संघर्ष व्यापक क्षेत्रीय आयाम न ले ले। अभी तक, इजराइल, ईरान और अन्य देशों से उड़ानें संचालित की जा रही हैं।

इजराइल में 30 हजार भारतीय

जायसवाल ने बताया कि उन्होंने बताया कि संकट में फंसे परिवारों ने भारत सरकार और हमारे दूतावासों से संपर्क किया है, लेकिन फिलहाल सरकार कोई निकासी प्रक्रिया नहीं चला रही है। लेबनान में हमारे करीब 3,000 लोग हैं, जिनमें से ज़्यादातर बेरूत में हैं। ईरान में, हमारे करीब 10,000 लोग हैं, जिनमें से करीब 5,000 छात्र हैं।

जाकिर का पाक में स्वागत निंदनीय

पाकिस्तान दौरे पर गए जाकिर नाइक से जुड़े एक सवाल पर विदेश मंत्रालय ने कहा, हमने वे रिपोर्ट्स देखी हैं जिसमें जाकिर नाइक को पाकिस्तान में लाने की खबरें हैं। उसका गर्मजोशी से स्वागत किया भी किया गया है। हमारे लिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि एक भारतीय भगोड़े का पाकिस्तान में उच्च-स्तरीय स्वागत किया गया है।

न्यूयॉर्क में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल बोले

भारत ने पाक के साथ बंद नहीं किया व्यापार, यह उनका फैसला

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। यहां उन्होंने न्यूयॉर्क में प्रमुख व्यापारिक नेताओं और भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इस दौरान उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों और पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंधों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ व्यापार बंद नहीं किया है। यह पाकिस्तान ही है जिसने भारत के साथ व्यापार बंद कर दिया है। भारत ने कभी भी किसी देश के साथ अपने रिश्ते ख़राब करने वाला कोई कदम नहीं उठाया है। हम कोई विस्तारवादी देश नहीं हैं। हमने हमेशा बातचीत, कूटनीति और दुनिया की समस्याओं का समाधान ढूंढने में विश्वास किया है।

यूएस सबसे विश्वसनीय

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत, यूएस को सबसे विश्वसनीय व्यापार भागीदारों में से एक के रूप में देखता है, जिसके साथ हम वस्तुओं, सेवाओं, प्रौद्योगिकी और निवेश क्षेत्रों में अपने संबंधों और व्यापार का तेजी से विस्तार कर रहे हैं। हम इस रिश्ते को गहराई से महत्व देते हैं। मोदी सरकार के तहत हमारे ओबामा, ट्रंप और बाइडेन प्रशासन के साथ उत्कृष्ट संबंध रहे हैं, आगे चलकर हम संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ उत्कृष्ट संबंध जारी रखेंगे। अमेरिका-भारत संबंध आज राजनीति से ऊपर उठ रहे हैं। दोनों नियमित रूप से जुड़े हुए हैं और यह रिश्ता महीने-दर-महीने बेहतर और परिपक्व हो रहा है। हम नियमित रूप से एक-दूसरे के साथ बातचीत कर रहे हैं।

मल्टी-ब्रांड रिटेल पर नीति में बदलाव नहीं

केंद्रीय मंत्री ने सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज थिंक-टैंक में एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत में कैबिनेट की मंजूरी के माध्यम से अधिक प्रतिशत (विभिन्न क्षेत्रों में विदेशी हिस्सेदारी) की अनुमति देने का अधिकार है। हम संसद के जरिए भी इसमें बदलाव कर सकते हैं। हालांकि मुझे नहीं लगता कि इनमें से किसी के लिए संसदीय बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मल्टी-ब्रांड रिटेल पर हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारत त्वरित विकास की ओर ले जाने के लिए आवश्यक सभी प्रकार के आर्थिक सुधारों के लिए तैयार है।

नेपाल, भारत, बांग्लादेश के बीच त्रिपक्षीय समझौता

सीमा पार बिजली व्यापार को सुविधाजनक बनाने की कवायद, ऊर्जा क्षेत्र में हुई साझेदारी

दो पाइपलाइन परियोजनाओं के निर्माण पर हस्ताक्षर

नेपाल ऑयल कॉर्पोरेशन और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने दो नई पाइपलाइन परियोजनाओं के निर्माण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच ऊर्जा साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। सिलीगुड़ी (भारत) से झापा (नेपाल) पाइपलाइन की लंबाई 50 किलोमीटर होगी, जबकि अमलेखगंज से चितवन के लोथर तक एक और पाइपलाइन 62 किलोमीटर लंबी होगी।

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल, भारत और बांग्लादेश ने गुरुवार को सीमा पार बिजली व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस समझौते के अनुसार, नेपाल 15 जून से 15 नवंबर तक बरसात के मौसम में हर साल भारत के माध्यम से अपनी अधिशेष बिजली बांग्लादेश को निर्यात करेगा। नेपाल अपने क्षेत्र के माध्यम से बांग्लादेश को बिजली वितरित करने के लिए भारत की ट्रांसमिशन लाइन का उपयोग करेगा।

2000 करोड़ ड्रग्स मामले में बड़ा खुलासा

कारोबार के तार दुबई से जुड़े मिले बसोया सिंडिकेट का मास्टरमाइंड

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पकड़े गए 2000 करोड़ के ड्रग्स के मामले में जांच कर रही पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। दिल्ली में ड्रग्स के कारोबार के तार दुबई से जुड़े होने की जानकारी मिली है। दुबई में मौजूद भारतीय नागरिक वीरेंद्र बसोया का नाम इंटरनेशनल सिंडिकेट के मास्टरमाइंड के तौर पर सामने आया है। बसोया भारत में ड्रग्स मामले में गिरफ्तार भी हो चुका है और जमानत मिलने के बाद दुबई शिफ्ट होकर इंटरनेशनल ड्रग्स कार्टेल का बड़ा माफिया बन गया। वीरेंद्र बसोया लंबे वक्त से दुबई से कोकीन की डील से जुड़ा हुआ बताया जाता है। इंटरनेशनल एजेंसियों को वीरेंद्र बसोया को लेकर इनपुट्स शेयर किए गए है ताकि उसे दुबई में दबोचा जा सके। वीरेंद्र वसोवा के दाउद गिरोह (डीकंपनी) से लिंक भी खंगाले जा रहे हैं। मास्टरमाइंड और मुख्य आरोपी तुषार उर्फ डिक्की गोयल और वीरेंद्र बसोया पुराने दोस्त हैं।

राष्ट्रपति दिसानायके से मिले विदेश मंत्री एस. जयशंकर

श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण में भारत की ओर से समर्थन का दिया आश्वासन

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच जारी सहयोग को बढ़ाने और संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण में भारत की ओर से निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।

जयशंकर शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर श्रीलंका पहुंचे। उनका यह दौरा तब हुआ है, जब हाल ही में राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद दिसानायके ने देश की कमान संभाली है। विदेश मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, राष्ट्रपति दिसानायके से मिलने का अवसर मिला। उनकी सकारात्मक भावनाओं और भारत-श्रीलंका संबंधों के लिए मार्गदर्शन की सराहना की। हमने दोनों देशों और क्षेत्र के लोगों के लाभ के लिए जारी सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। 23 सितंबर को दिसानायके के राष्ट्रपति बनने के बाद जयशंकर पहले विदेशी मेहमान हैं। उनका स्वागत श्रीलंका के विदेश मंत्री अरुणी विजेवर्दना और भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने किया।

पुतिन ने लिया बड़ा फैसला

तालिबान को आतंकी संगठनों की सूची से हटाएगा रूस

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

अफगानिस्तान में सत्ता में लौटी तालिबान को रूस जल्द ही आतंकियों की सूची से हटा सकता है। रूस के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा है कि तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने का फैसला उच्चतम स्तर पर लिया गया है।

कानूनी प्रक्रिया के बाद फैसले का पालन होगा

अफगानिस्तान में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विशेष प्रतिनिधि ज़मीर काबुलोव ने कहा है कि इस फैसले को जमीन पर उतारने के लिए कुछ कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने की जरूरत है। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बीते जुलाई में कहा था कि रूस अफगानिस्तान के तालिबान आंदोलन को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक सहयोगी मानता है।

इजराइल की ओर से लेबनान पर लगातार हमले जारी

ईरान के लीडर खामनेई ने की मुस्लिम देशों से एकजुटता की अपील

एजेंसी ▶▶ तेहरान/बेरूत

तेहरान में स्थित ग्रैंड मस्जिद में हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्ला और ईरान के जनरल अब्बास निलफोरशान की याद में दुआ का आयोजन किया गया। इसके बाद जुमे की नमाज हुई, जिसका नेतृत्व ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई ने किया।

इस दौरान खामनेई ने इजराइल पर तीखा हमला बोला। खामनेई ने कहा कि अगर सभी मुस्लिम एकजुट हो जाएं तो इससे सभी दुश्मनों की हार होगी। दुश्मनों का अहंकार मुस्लिमों के बीच बंटवारे और मतभेदों को दर्शाता है। उन्होंने उन्होंने कहा कि इजराइल पर किया गया मिसाइल हमला सही और कानूनी तौर पर ठीक था। हर देश को अपने हितों और अपने घर की रक्षा करने का अधिकार है। फिलिस्तीन और लेबनान के मुस्लिमों पर हमला किया जा रहा है। ऐसे में ईरान ने मिसाइलों से जवाब दिया।

मारा गया अनीसी और सैफेद्दीन

इजराइल सुरक्षा बलों ने बताया कि उनकी एयर स्ट्राइक में अब महमूद युसेफ अनीसी मारा गया है। वह लेबनान में हिजबुल्लाह की सटीक-निर्देशित मिसाइल निर्माण शृंखला का प्रमुख आतंकवादी था। आईडीएफ के अनुसार, अनीसी 15 साल पहले हिजबुल्लाह में शामिल हुआ था। उसे घातक हथियारों के निर्माण में महारत हासिल थी। इजराइल के लड़ाकू विमानों ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में बम गिराकर हिजबुल्लाह के हाशेम सैफेद्दीन के भूमिगत बंकर को निशाना बनाया। आईडीएफ ने कहा कि वेस्ट बैंक में फाइटर जेट के दुर्लभ हमले में हमास के कई गुर्गे भी मारे गए। फाइटर जेट ने गुरुवार देररात तुलकेरेम में हमला किया। इस हमले में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। तुलकेरेम में हमास के शीर्ष कमांडर जही यासर अब्द अल-रजेक औफी और कई अन्य गुर्गों को निशाना बनाया गया। अउफी बीते महीने इजराइली सेना पर हमले का आरोपी था। साथ ही उस पर आरोप था कि उसने विद्रोही लड़ाकों को इजराइली सेना पर हमले के लिए हथियार मुहैया कराए।

◆ मिसाइल हमला सही और कानूनी तौर पर ठीक था

ईरान के विदेश मंत्री पहुंचे बेरूत

इजराइल की ओर से लेबनान पर किए गए हमले के बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची हमलों का जायला लेने बेरूत पहुंचे हैं हिजबुल्ला प्रमुख नसरल्ला की हत्या के बाद किसी ईरानी मंत्री की यह पहली लेबनान यात्रा है। उनका विमान राफिक हरीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा।

नसरल्लाह सीक्रेट जगह दफन

इजराइली हमले में 27 सितंबर को मारे गए हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह को मौत के 7 दिन बाद सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया है। इजराइल के हमले के डर से नसरल्लाह को सीक्रेट जगह पर दफनाया गया है। लेबनान ने बताया है कि इजराइल के हमलों में बीते दिन में 37 लोगों की मौत हुई है।

रामगंजमंडी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चलाया चरखा

गांधी चौक पर लगाई प्रदर्शनी, खेल मैदान पर लगाई झाड़ू

रामगंज मंडी। रामगंजमंडी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं और पूर्व पीएम स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम शहर के गांधी चौक पर आयोजित हुआ। जहां भाजपा ने स्वच्छता ही सेवा पखवाडे का समापन कर स्वच्छता की। वहीं कांग्रेस कमेटी कार्यकर्ता ने चरखा चलाकर गांधी जयंती मनाई।

शहर के गांधी चौक स्टेशन चौराहा पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर स्वच्छता ही सेवा पखवाडे के अंतर्गत सफाई की गई। जिसमे कार्यकर्ताओ ने स्टेशन चौराहा, गांधी चौक और साबू खेल मैदान का झाड़ू लगाकर स्वच्छता की गई। ज़िसके बाद खेल मैदान में खिलाड़ियों का सम्मान किया गया।

इस दौरान पखवाडा संयोजक उमेश माहेश्वर, सहसंयोजक लोकेश आचौलिया,नामदेव, मण्डल अध्यक्ष कमलेश गॉइन, अखिलेश मेंडतवाल,विशाल जैन,वीरेन्द जैन, धर्मपाल घाटोड आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं उधर कांग्रेस कमेटी कार्यकर्ताओ ने राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के बैनर तले कार्यक्रम किया। जिसमे कांग्रेस

कार्यकर्ताओ ने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। ज़िसके बाद गांधी के सिद्धांतो से प्रेरित होकर कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने चरखा भी चलाया। ज़िसके बाद पूर्व पालिकाध्यक्ष हुकुम बापना ने गांधी चौक पर महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी शाला का फीता काटकर शुभारम्भ किया। प्रदर्शनी में महात्मा गांधी के जन्म से लेकर स्वतंत्र भारत के के दृश्यों को दर्शाया गया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम सिंह भदौरिया, राजेंद्र सिसोदिया, तेजमल सर्राफ, कमल गुर्जर, रणजीत सुमन, सीपी यादव,देविशंकर मीणा, पालिका उपाध्यक्ष रमेश मीणा, लक्की सिंह, लक्ष्मण सिंह, राजेंद्र धनिया और आसिफ मेव आदि मौजूद रहे।

सात साल के बच्चे पर टाइल्स गिरी, सिर फटने से 16 टांके आए, केस दर्ज

भरतपुर। झूलेलाल मंदिर के सामने स्थित एक मकान की टाइल्स गिरने से सात वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित घटना के समय ट्यूशन पढ़ने जा रहा था। उसे निजी अस्पताल में उपचार कराया गया। जहां उसके सर में 16 टांके लगाए गए हैं।

गैर इरादतन हत्या के प्रयास के इस केस की पुलिस जांच कर रही है। मोरी चारबाग निवासी विनोद वादलानी ने पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जिसके अनुसार उनका सात वर्षीय बेटा निर्भय गुरुवार को शाम चार बजे ट्यूशन पढ़ने जा रहा था। रास्ते में झूलेलाल मंदिर के सामने मनीष सिंघल का तीन मंजिला मकान है। मकान से टाइल्स गिराई गई। उसी समय नीचे से गुजर रहे उसके बेटे के सर पर टाइल्स लगी। जिससे उसका सर फट गया। घायल की हालत गंभीर होने पर उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिटी स्कैन में बच्चे की खोपड़ी में फ्रेक्चर होना पाया गया। साथ ही सिर में गहरी चोट भी आई है। उपचार के दौरान उसे 16 टांके लगाए गए। परिजनों के अनुसार पीड़ित को हायर सेंटर पर उपचार के लिए अस्पताल से डिस्चार्ज कराया गया है।

भीलवाड़ा में 913 घुमंतू-अर्धघुमंतू परिवारों को मिला आवासीय पट्टा

जिला स्तरीय कार्यक्रम में बेघर लोगों को मिला जमीन का हक

भीलवाड़ा। जिला मुख्यालय पर महाराणा प्रताप सभागार टाउन हॉल में जिले के घुमंतू, अर्ध घुमंतू एवं विमुक्त भूमिहीन श्रेणी के परिवारों को आवासीय पट्टा वितरण के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथियों द्वारा जिले के घुमंतू, अर्ध घुमंतू एवं विमुक्त भूमिहीन श्रेणी के परिवारों को आवासीय पट्टा वितरण किया गया। कार्यक्रम के तहत जिले भर में 107 ग्राम पंचायतों के 913 विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू भूमिहीन परिवारों को आवासीय पट्टों का वितरण किया गया।

आवासीय पट्टा पाकर घुमंतू और अर्द्ध घुमंतू परिवार के लोगों के चेहरों पर खुशी थी। उन्होंने बताया कि वे पिछले लंबे समय से पट्टों के लिए परेशान थे, लेकिन इस सरकार ने उनकी सुनी और उन्हें आवासीय पट्टे दिए, इसके लिए वे सरकार को धन्यवाद देते हैं।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला प्रमुख बरजी देवी, विधायक गोपाललाल खंडेलवाल, विधायक लादू लाल पीतलिया, विधायक अशोक कोठारी, जिला कलक्टर नमित मेहता, अतिरिक्त जिला कलक्टर ओम प्रकाश मेहरा, और एडीएम सिटी प्रतिभा देवठिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहें।

संभाग स्तरीय मॉडल बाल पुस्तकालय तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण सम्पन्न

भरतपुर। राजस्थान स्कूल पुस्तकालय संवर्धन परियोजना के तहत भरतपुर संभाग स्तरीय मॉडल बाल पुस्तकालय तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक अमर होटल भरतपुर में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में भरतपुर, करौली, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी व धौलपुर जिलों से कुल 37 पुस्तकालय अध्यक्ष, प्रभारी शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रशिक्षण में शिक्षा विभाग से दलवीर सिंह (उपनिदेशक) संयुक्त निदेशक कार्यालय व विशाल संयुक्त निदेशक कार्यालय भरतपुर ने प्रशिक्षण का अवलोकन कर उपस्थित संभागियों से प्रशिक्षण के सत्रों को लेकर चर्चा की। प्रशिक्षण में जीवंत पुस्तकालय के मायने, पुस्तकालय की आवश्यकता, महत्व, गतिविधि, रीड अलाउड, बुक टॉक, पुस्तक विज्ञापन, थीम डिस्प्ले, डम्पसीयार्ड, पुस्तक सीडी, रोल प्ले, पाठक रंगमंच, पुस्तकालय अध्यक्ष, प्रभारी की भूमिका, विद्यालय उत्सव जयंती कैलेंडर पर नियोजन तथा एमआईएस को लेकर विस्तार से कार्य किया गया। जोनल कोऑर्डिनेटर संतोष कुमार ने बताया कि राजस्थान स्कूल पुस्तकालय संवर्द्धन परियोजना में सेंटर फॉर माइक्रो फाइनेंस संस्थान तकनीकी सहयोगी संस्था के रूप में सहयोग प्रदान कर रही है।

गांधीजी के अहिंसा व स्वच्छता का संदेश लोगों तक पहुंचाए : कलेक्टर

भरतपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन गांधी पार्क में हुआ। जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव ने गांधीजी और शास्त्री जी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर सर्व धर्म प्रार्थना सभा का शुभारंभ किया। उन्होंने महात्मा गांधी के बताएं मार्ग पर चलते हुए जीवन में सत्य अहिंसा को अपनाने तथा स्वच्छता के पैगाम को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि जब तक शहर के नागरिकों की सोच में परिवर्तन नहीं आएगा, किसी एक वर्ग या एक विभाग के बलबूते शहर स्वच्छ नहीं हो सकेगा। हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। जिला कलेक्टर ने कहा कि अपने दैनिक जीवन में गांधी जी के आदर्श सत्य एवं अहिंसा को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अहिंसा के पथ पर चलना चाहिए, जिससे आपसी प्रेम और सौहार्द एवं भाईचारा बना रहे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधीजी एवं शास्त्री जी के सिद्धांत और आदर्शों को युवा पीढ़ी को आत्मसात करना चाहिए।

सूचना केन्द्र पर सर्व धर्म सभा का आयोजन : महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय भरतपुर स्थित सूचना केंद्र पर सर्व धर्म सभा कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वधर्म प्रार्थना तू ही राम है तू रहीम है तू करीम कृष्ण खुदा हुआ' से किया गया। गांधी जी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' का एवं रामधुनी का प्रस्तुतीकरण भी किया गया तथा परंपरागत तरीके से प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त कमल सिंह यादव, एडीएम राहुल सैनी, भारती भारद्वाज आदि मौजूद थे। राजकीय विधि महाविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार शर्मा ने माल्यार्पण किया तथा सहायक आचार्य राहुल कटारा ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जीवनी पर प्रकाश डाला।

हाथ जोड़कर बदमाश बोले-गलती हो गई, अब बदमाशी नहीं करेंगे

भीलवाड़ा में पुलिस ने थाने से कोर्ट तक आरोपियों की निकाली पैदल परेड

भीलवाड़ा। अपराधियों में भय और आमजन में विश्वास राजस्थान पुलिस के इस ध्येय वाक्य को भीलवाड़ा पुलिस ने एक बार फिर साबित किया। पुलिस ने अपहरण कर फिरौती मांगने, मारपीट और धमकाने के मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। इसके बाद कोतवाली थाने से कोर्ट तक इनकी पैदल परेड निकाली। दोनों बदमाशों को पैदल परेड करते देख शहरवासियों ने पुलिस की इस कार्रवाई की तारीफ की।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। कोतवाल राजपाल ने बताया- राजस्थान पुलिस का ध्येय वाक्य है आम जन में विश्वास और अपराधियों में भय। आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास कायम करने और अपराधियों को मैसेज देने के लिए आज हमने इन दो बदमाशों हिस्ट्रीशीटर सिकंदर उर्फ लॉटरी और कान्हा को मारपीट, धमकाने और रंगदारी के मामले में गिरफ्तारी वारंट से पकड़ा है। इन दोनों को पेश करने के लिए थाने से कोर्ट पैदल लेकर जा रहे थे। अब आरोपी कह रहे है कि हमसे गलती हो गई, आज के बाद बदमाशी छोड़ देंगे।

इन्हें थाने से कोर्ट बाजार में पैदल ले जाने का मक़सद यही था कि लोगों में मैसेज जाए, जो भी बदमाश है उसकी बदमाशी को पुलिस द्वारा किसी भी स्तर पर सहन नहीं किया जाएगा और उसके विरुद्ध जितनी भी कठोरतम कार्रवाई हो सकेगी, वो कि जायेगी। अपराधी जो भी बदमाशी करेगा और समाज में रील और सोशल मीडिया के माध्यम से गलत मैसेज देता है, उसको इसी तरीके से पैदल लाकर कोर्ट में पेश किया जाएगा, जिससे लोगों के बीच में एक मैसेज जाए की बदमाशों का क्या हाल होता है। इस दौरान दोनों बदमाश पुलिस के सामने हाथ जोड़ते हुए और वापस अपराध नहीं करने की मिन्नत करते नजर आए।

किशोर सागर तालाब में मिला युवक का शव

रेलिंग फांदकर कूदकर किया सुसाइड, सिक्योरिटी गार्ड्स ने देखा

कोटा। कोटा के किशोर सागर तालाब में एक युवक का शव मिला है। बताया जा रहा है कि युवक देर रात को तलाब में कूद गया था। मामले में पुलिस जांच में जुटी हुई है। निगम गोताखोर चंगेज खान ने बताया- नयापुरा थाना इलाके का निवासी भूपेंद्र लोधा मंगलवार देर रात 2 बजे करीब किशोर सागर तालाब पर पहुंचा और रेलिंग फांद कर तलाब की तरफ जाने लगा। वहां लगे सिक्योरिटी गार्ड्स ने उसे रोकने की कोशिश भी की लेकिन वह नहीं माना और तालाब में कूद गया। गार्ड्स ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस की तरफ से निगम गोताखोरों को जानकारी दी गई। रात में उसका रेस्क्यू नहीं हो सका था। सुबह रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसके बाद स्कूबा डाइविंग करके शव को बाहर

निकाला जा सका। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम रूम में शिफ्ट करवाया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही। युवक ने ये कदम क्यों उठाया, इसके बारे में अभी कारण स्पष्ट नहीं है। मामले के जांच की जा रही है।

फसलों की रखवाली कर रहे किसान को सांप ने काटा

हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ा

भीलवाड़ा। खेत पर फसलों की रखवाली करने गए एक किसान की सांप के काटने से मौत हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। मामला मांडल थाना क्षेत्र के भादू गांव का है। मांडल थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि थाना क्षेत्र के भादू में रहने वाला भागू लाल पिता रूपा लाल बलाई मंगलवार देर रात करीब 3 बजे अपने खेत पर मक्के की फसल की रखवाली करने गया था। इसी दौरान उसे अचानक एक सांप ने काट लिया। जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। भागू लाल की तबीयत बिगड़ने पर परिजन तुरंत उन्हें मांडल हॉस्पिटल ले गए। जहां से उन्हें भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया गया। यहां लाने पर ड्यूटी डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना पुलिस ने आज

जिला हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी पहुंचकर परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

बिजली संकट के लिए गहलोत जिम्मेदार, हमारी सरकार ने आपूर्ति संभाली : भड़ाना

कोटा। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना ने कोटा में प्रेस कान्फ्रेंस में राजस्थान सरकार की उपलब्धियां गिनाई। भड़ाना ने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार के साढ़े नौ माह पूरे हो गए हैं, इस दौरान सरकार ने घोषणा पत्र के 50 प्रतिशत से अधिक वादे पूरे कर दिए हैं। आज राजस्थान पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की पेपरलीक और बीमारू प्रदेश के अभिशाप से मुक्त हो चुका है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान के विकास को प्रतिबद्ध हैं। वे पीएम मोदी के 2047 के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में विकसित राजस्थान के सपने को पूरा करने के लिए व्यापक प्रयत्न कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट 2024 चल रही है। इसमें 12.50 लाख करोड़ से अधिक के एमओयू साइन हो चुके हैं। भजनलाल सरकार ने 90 हजार से अधिक भर्ती करके युवा उत्थान के संकल्प को सिद्ध किया है। सभी विभागों में चतुर्थ श्रेणी की रिक्तियों को खोज कर 60 हजार भर्तियां जल्द ही की जानी हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान के विद्युत संकट के लिए अशोक गहलोत सरकार जिम्मेदार थी, लेकिन इस सरकार ने प्रयास करके आपूर्ति को संभाला। पूर्वी राजस्थान केनाल परियोजना पर काम करते हुए इस सरकार ने मध्यप्रदेश सरकार के साथ एमओयू किया तो यमुना का जल राजस्थान लाने के लिए हरियाणा सरकार के साथ एमओयू किया। भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने सदस्यता अभियान एवं सेवा पखवाड़े के संदर्भ में बताते हुए कहा कि कोटा शहर में सदस्यता अभियान पूरी गति से चल रहा है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन, प्रदेश मंत्री अनुसुइया गोस्वामी, कोटा संभाग मीडिया संयोजक अरविंद सिसोदिया एवं लोकसभा क्षेत्र मीडिया संयोजक रितेश चित्तौड़ा मौजूद रहे।

सेवा करते हैं तो बदले में टैक्स लाभ भी लेते हैं

प्रिंसिपल कमियां छिपाने के लिए ट्रस्ट को हटा रहा पीबीएम : ट्रस्टी

बीकानेर। पीबीएम हॉस्पिटल में सेवा कार्यों को लेकर भामाशाह और प्रशासन के बीच टकराव के हालात बन गए हैं। समस्या का समाधान नहीं होने पर भामाशाह ने सेवा कार्य से खुद को अलग करने की घोषणा कर दी है। बच्चा अस्पताल में जुलाई माह में एक श्रमिक की मृत्यु के बाद भामाशाह का पीबीएम अस्पताल प्रशासन के रवैए के कारण मोह भंग हो गया है। उनकी मांग है कि इस तरह के हादसों की जिम्मेदारी प्रशासन को लेनी चाहिए, लेकिन भामाशाह पर डाल दी जाती है, जो गलत है। भामाशाह इसके लिए एमओयू करना चाहते हैं।

इस संबंध में मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल के साथ मीटिंग भी की गई, लेकिन घटना के दो महीने बाद भी किसी तरह का एमओयू नहीं हो पाया है। पीबीएम प्रशासन के रवैया से परेशान होकर मानव सेवा समिति ने 3 अक्टूबर से बच्चा अस्पताल और यूरोलॉजी में सेवाएं नहीं देने का फैसला किया है।

समिति के फैसले को लेकर मीडिया ने मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉक्टर गुंजन सोनी से बात की तो उनका कहना था कि एमओयू का फैसला सरकार के स्तर पर ही हो सकेगा। इस संबंध में पहले सचिव से बात करनी होगी। उन्होंने यह भी बताया कि ट्रस्ट, भामाशाह सेवा करते हैं तो उसका परिलाभ भी लेते हैं। उन्हें टैक्स बेनिफिट मिलता है। अस्पताल से उनके परिवार और उनके श्रमिकों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा मिलती है। हम भी उनका ख्याल रखते हैं।

डॉ सोनी ने बताया बच्चा अस्पताल में सफाई के 31 पॉइंट हैं, जहां ठेकेदार के कर्मचारी काम करते हैं। ठेकेदार उन्हें जो पगार देता है उसमें रु. 500 ट्रस्ट देता है। ट्रस्ट के अलग से कोई आदमी नहीं हैं। उनके सुपरवाइजर स्टाफ के लिए हमने जगह दे रखी है। उधर मानव सेवा समिति के ट्रस्टी राजकुमार पचीसिया का कहना है कि यदि ट्रस्ट को कोई परिलाभ लेना ही है तो गोशाला में भी पैसा लगाया जा सकता है। पीबीएम हॉस्पिटल में इसलिए पैसा लगाते हैं ताकि इसका फायदा वहां आने वाले सैकड़ों मरीज को मिले। प्रिंसिपल ने 2 महीने पहले एमओयू की बात की थी, लेकिन अब तक कुछ नहीं किया। इसलिए गुरुवार से समिति बच्चा अस्पताल में सेवाएं नहीं दे सकेगी।

पीबीएम अस्पताल में भामाशाहों ने बुलाई बैठक, सभी एकमत

पीबीएम अस्पताल में मानव सेवा हितार्थ संचालित संस्थाओं व समितियों के पदाधिकारियों ने एक बैठक में हादसों की जिम्मेदारी तय नहीं करने पर सेवा से हाथ खींच लिए हैं। रोग निदान सेवा संघ ट्रस्ट के कक्ष में हुई बैठक में इस बात पर रोष प्रकट किया गया। जुलाई माह में शिशु अस्पताल में एसी रिपेयर करने आए मिस्त्री का दुखद निधन हो जाने पर अस्पताल प्रशासन ने दुर्घटना की सारी जिम्मेदारी वर्षों से सेवाएं दे रही मानव सेवा समिति पर डाल दी।

अस्पताल प्रशासन ने ना ही जिम्मेदारी ली एवं ना ही समिति का सहयोग किया। एसी का कार्य अस्पताल प्रशासन द्वारा लिखित आदेश जारी होने पर कराया गया था। बैठक में उपस्थित पीबीएम अस्पताल में सेवाएं दे रही समितियों ने निर्णय लिया कि अस्पताल प्रशासन के साथ एमओयू बने जिसमें संस्थाओं और अस्पताल प्रशासन की जिम्मेदारियों का निर्धारण हो और तालमेल बना रहे। इसके लिए दो बार पत्र लिखने के बाद भी लेकिन पीबीएम प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं करने पर रोष व्यक्त किया गया।

मानव सेवा समिति ने शिशु अस्पताल और यूरोलोजी विभाग में 3 अक्टूबर से अपनी सेवाएं स्थगित करने का फैसला किया है। पीबीएम अस्पताल में सेवार्थ कार्यरत संस्थाओं ने यह निर्णय लिया कि भविष्य में जल्द ही जिम्मेदारियां तय नहीं की गईं तो बाकी की संस्थाएं भी सेवाओं को लेकर पुनर्विचार करेंगी।

इस अवसर पर मानव सेवा समिति के राधाकिशन पेडीवाल, रोग निदान सेवा संघ ट्रस्ट के देवकिशन पेडीवाल, आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के जेठमल बोथरा, हल्दीराम चैरिटेबल सोसायटी के रमेश कुमार अग्रवाल, हनुमान प्रसाद चम्पा देवी मोदी के अशोक कुमार मोदी, शिवकिशन मिंडाराम दम्माणी चेरिटेबल ट्रस्ट के विनोद दम्माणी आदि उपस्थित हुए।

सुमेरपुर नगर पालिका क्षेत्र मे बिना भूउपयोग परिवर्तन हुऐ अवैध हॉस्पीटल चल रही है कई मंजिला भवन बनाकर चला रहे है नियमों के विपरीत हॉस्पीटलो के विरुद्ध कोन कारवाई करेंगा ...

हॉस्पीटल की स्वीकृति के लिए बडी जगह वह साईड बैक बडी पार्किंग फायर ब्रिगेड बगीचों की सुविधाएं सहित आपरेशन की सुविधाओं लिफ्ट की सुविधाओं युक्त होना चाहिए

हॉस्पीटल नही होती छोटी जगहों पर डिस्पेंसरी होनी चाहिए मेडिकल दुकाने व ऑपरेशन थेटर होते ही वाणिज्यिक काम्पलैक्स बनाकर दुकाने चला रहे हैं

सुमेरपुर मे चल रही सभी हॉस्पीटलो के नाम वाणिज्यिक कारोबार चला रहे है भष्ट्राचार ब्यूरो से कारवाई करनी चाहिए व सभी की स्वीकृति व फर्जी पट्टो की जाँच होनी चाहिए

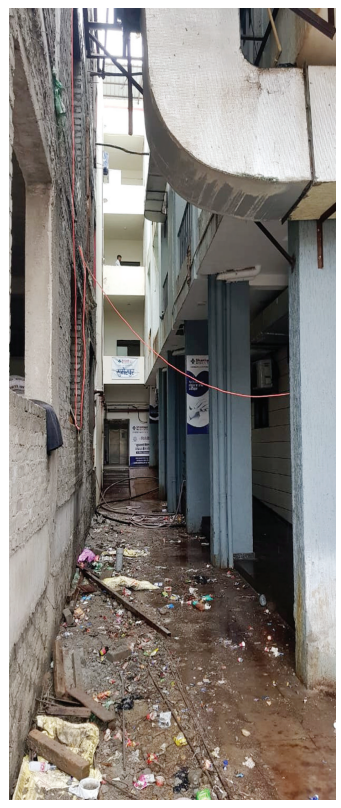

द-पुलिस पोस्ट

सुमेरपुर नगर पालिका क्षेत्र मे हर सडक पर अवैध अतिक्रमण अवैध पट्टो व पहाडीओ पर पट्टे सरकारी जमीन पर पट्टे वह पुरानी गोचर भूमि पर अतिक्रमण कर अवैध पट्टो को खारिज करावे वह इन जगहों पर चल रहा गोरख धंधा डिस्पेंसरी के नाम हॉस्पिटल चल रहे हैं शहर के तहसील मार्ग पर कैंसर रोग के उपचार के लिए संचालित हो रहे अस्पताल के चिकित्सक पर एक मरीज के परिजनों की ओर से लगाया गया किडनी निकाल देने का आरोप झूठा साबित हुआ है। मरीज जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी का पाली के बांगड अस्पताल में हुए मेडीकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद इस बात का खुलासा हुआ है कि मृतक के शरीर में दोनों किडनी मौजूद है ईस हॉस्पिटल की निर्माण स्वीकृति नियमों के विपरीत जारी हुई है सुमेरपुर नगर पालिका प्रशासन द्वारा नियमों के विपरीत हॉस्पिटल की निर्माण स्वीकृति जारी हुई है जो कभी बड़ी जनहानी होगी तब सरकार की नींद खुलेगी इस हॉस्पिटल से बहार जाने के रास्ता भी नहीं है साईड बैक और निर्माण स्वीकृति जारी कर दी निर्माण स्वीकृति की जांच करवाकर दोषीओ के विरुद्ध करवाई करवाने की माँग सुमेरपुर क्षेत्र में चल रही सभी हॉस्पिटल नियमों के विपरीत है क्योंकि यह हॉस्पिटल नहीं सभी डिस्पेंसरी है इसमें डॉक्टर से जांच कर सकते हैं नहीं ऑपरेशन नहीं मेडिकल की दुकान हो सकती पर इन्होंने सभी अपना धंधा चालू करके रखा हुआ है और नगर पालिका को बड़ा चूना लगाया जा रहा है जनता को तो लूट रहे है सरकार को भी चूना लगा रहे है क्योंकि नगर पालिका प्रशासन की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार चल रहे हैं छोटी-छोटी गलियों में 10 से 20 फीट सड़क पर बिना स्वीकृति से कई हॉस्पिटल चल रही है नहीं किसी की साइड बैक है नहीं किसी में पार्किंग है जो सुविधा चाहिए वह एक में भी नहीं है फायर सुविधा होनी आवश्यक होती है कभी बड़ी जनहानी होगी तब सैकड़ो मरीजों की जान जाएगी उसका जिम्मेदार कौन होगा जवाबदेही होना चाहिए पर प्रशासन अंधा बनकर बैठा है क्योंकि इन्होंने अस्पताल बनाकर अपना धंधा चालू कर दिया यह सभी छोटे प्लॉटों पर है सिर्फ दलालों से प्लॉट खरीद कर बड़ी बिल्डिंग बनाकर उसमें हॉस्पिटल चालू कर दी कही लोगो ने तो बहार से डॉक्टर बुलाकर अपनी दवाइयां की दुकानों के हिसाब से डॉक्टर को बैठा कर ऑपरेशन थिएटर भी चालू कर दिया नहीं इन्होंने किसी प्रकार की सुविधा की नहीं जनता को फायदा मिल रहा है सीधा जनता को लूट रहे हैं अगर सरकार को चूना लगा रहे तो जनता को फायदा होना चाहिए की लोगों को बड़ी-बड़ी परेशानियां होती है कोरोना के टाइम में इन्होंने धंधा बनाकर छोड़ा था अपना किट बनाकर एक किट के इतने हजार दे दो क्या यह डॉक्टर तो डॉक्टर एक भगवान का रूप होता है जो जनता की सेवा करता है नहीं की जनता को लूटता है डॉक्टर पर सैकडों आरोप लगते हैं पर वह बात नहीं है सभी हॉस्पिटलों की जांच करवाई जाए जिससे पता चल जाएगा की कौन सी हॉस्पिटल सही चल रही है वह कौन सी गलत क्योंकि यह बिल्डिंग ही नियमों के विपरीत है सभी बिल्डिंगों की जांच होनी चाहिए नहीं तो कभी बड़ी जनहानी होगी उसका जिम्मेदार कौन होगा क्योंकि बड़ा हादसा होगा ही क्योंकि इन्होंने बालकानीयो को पैक कर दि है नहीं छोड़ी साइड बैक नहीं छोड़ा इन्होंने मरीज के जीवन रक्षा के लिए कोई उपकरण जब कभी आगजनी हुई तो अंदर के अंदर सैकडों मरीज जल कल मर जाएंगे बच्चों के लिए कोई सुविधा नहीं है बड़ी जनहानी होगी तभी जाकर कौन जवाबदार होगा सभी अधिकारियों को वक्त पहले सावधान होना चाहिए और सभी हॉस्पीटलो के मालिक के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए सब में सुविधा होनी जरूरी है नहीं तो इन सभी हॉस्पिटलों को सीज करना चाहिए जिससे पता चल जाएगा की कौनसी हॉस्पिटल ईमानदारी से चल रही है इनके ऑपरेशन थिएटर मेडिकल दुकानों का भी जांच होना आवश्यक है क्योंकि ज्यादा तो दुकाने भी फर्जीवाड़ा में चल रही है अभी पता चल जाएगा कि छोटे प्लाट में हॉस्पिटल खोल कर बैठे हुए दो प्लॉट लेकर एक बिल्डिंग बना दी खोल दी हॉस्पिटल क्योंकि आसपास निवास करने वाले लोग परेशान हैं बीमार होते ही सीधे इन निजी अस्पताल में आ जाते हैं क्योंकि दलाल सक्रिय है सरकारी अस्पताल में सभी प्रकार की सुविधा होने के बाद भी निजी अस्पताल में भेजे जा रहे है इसका मतलब सरकारी अस्पताल के डॉक्टर इलाज नहीं कर रहे हैं कोई डॉक्टर को मैंने देखा एक छोटे से कमरे को लेकर बैठ गए हैं उसमें ऑपरेशन कर रहे हैं उसी में ही मेडिकल दुकान चल रही है उसे अस्पताल गिना जा रहा है क्योंकि हॉस्पिटल के लिए जमीन बड़ी चाहिए उसका बर्रपत्र करना ही भी बड़ी बात होती है सरकार को भी यह लोग करोड़ों का चूना लगा रहे हैं और जनता को भी लूट रहे हैं सभी हॉस्पिटलों की जांच होनी चाहिए वह नियमों के विरुद्ध हॉस्पिटल है सभी को सीज करना चाहिए नहीं तो जब कभी बड़ा हादसा होगा तब उसका जिम्मेदार कौन होगा क्योंकि कभी बड़े-बड़े आरोप लगते हैं किसी ने किडनी निकाली किसी ने कुछ किया किसी ने गलत ऑपरेशन किया फिर सेटिंग होकर छोड़े जाते हैं क्यों जनता के साथ धोखा होगा यहाँ पर अवैध अतिक्रमण हुआ है या बिना नियमों के विपरीत अवैध हॉस्पीटल बने है सभी की मास्टर प्लान के विपरीत सडकों पर किसी योजनाओं मे गलत निर्माण किया है ग्रीन बेल्ट में मास्टर प्लान के विपरीत हॉस्पीटलो के निमार्ण हुआ है उन सभी अवैध बिल्डिंग की जाँच कर अवैध निर्माण हटाना चाहिए

सुमेरपुर पालिका व पैराफैरी क्षेत्र में फर्जीवाडा कर हॉस्पीटल बिल्डिंगो के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए

सुमेरपुर नगर पालिका क्षेत्र व पैरा फेरी में जितने भी हॉस्पिटल स्कूल वह फैक्ट्रियां बड़ी आवास योजना व बड़े कांपलेक्सो हो जो बिना भूउपयोग परिवर्तन किए पालिका प्रशासन फर्जीवाड़ा कर सरकारी धन का चूना लगाकर बड़ा फर्जीवाडा कर रहे हैं इनकी जांच करके इनके विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए नहीं तो मजबूर होकर हमें उच्च न्यायालय हाई कोर्ट जोधपुर का सहारा लेना पड़ेगा जिससे सुमेरपुर की जनता को न्याय मिल सके

प्रेमचंद बरूत पाषॅद व पूर्व जिला अध्यक्ष पाली सुमेरपुर

सुमेरपुर नगर पालिका क्षेत्र के हर सड़क रोड की तरफ जाने का सड़क पाली जाने के रास्ते पर सड़क जाखोड़ा रोड जाने के लिए रास्ता कोलीवाडा सड़क पर वह पूर्ण जाखोड़ा मार्ग सुमेरपुर से जवाई बांध सड़क पर कॉलोनी के अंदर वह मुख्य सड़क पर आवास योजना मैं बने बड़े-बड़े वाणिज्य काम्प्लैक्स अस्पताल स्कूल है वह अवैध बिल्डिंग के निर्माण स्वीकृति की जांच वह भू उपयोग परिवर्तन किए बिना बड़े-बड़े कांपलेक्सो के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए जवाई नदी किनारे पर बड़ी स्कूल बन गई वह पालड़ी जोड़ पैरा फेरी के अंदर बनी फैक्ट्रियां बन गई जिसने पालिका के धन को करोड़ों रुपए का नुकसान पहुंचा है पूर्व विधायक ने अपने चेहतो को वह अपने फायदे के लिए सरकार नगर पालिका को डुबोया अब ईमानदार राजस्थान भजनलाल शर्मा सरकार को सब पैसा वसूल कर नगर पालिका सुमेरपुर की आय बढ़ानी चाहिए जिससे सुमेरपुर शहर का विकास हो सके

कमलसिह चौहान समाजसेवी गौरक्षक शिवगंज

कमिश्नरेट की साउथ जिला पुलिस को सफलता : डेढ़ साल में चोरी हुए 533 मोबाइल पुलिस ने 2 माह में ट्रेस कर मालिकों को लौटाए, कीमत 1 करोड़ रुपए

द-पुलिस पोस्ट

जयपुर कमिश्नरेट के साउथ जिले में डेढ़ साल में 1100 गुम व लूटे हुए मोबाइल में से 533 मोबाइल पुलिस ने ट्रेस कर मालिकों को लौटाए। इनकी कीमत करीब 1 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मोबाइल मिलने पर लोग बोले- विश्वास ही नहीं हो रहा है कि उनके मोबाइल वापस मिल गए। डीसीपी साउथ दिगंत आनंद ने बताया कि साउथ जिले के थानों में बड़ी संख्या में मोबाइल गुम होने की सूचनाएं दर्ज हो रही थीं। इस पर दो माह पहले 'अपना मोबाइल फिर से आपका' अभियान चलाया गया। जिम्मा एडिशनल डीसीपी साउथ पारस जैन को सौंपा गया। इसके बाद सभी थानों की तकनीकी शाखा को गुमशुदा मोबाइल ट्रेस करने के लिए निर्देश दिए गए। टीम ने अधिकतर मोबाइल निचले तबके के लोगों से बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि हमें तो पता ही नहीं है कि बिल भी मिलता है। उन्हें बिल के साथ ही मोबाइल लेने की हिदायत दी है।

1 साल बाद मोबाइल मिलना अविश्वसनीय

1. सोडाला की चुनचुन मंडल का कहना है कि 1 साल पहले घर के बाहर टंकी पर रखा मोबाइल अज्ञात व्यक्ति चुरा ले गया था। इसका वापस मिलना अविश्वसनीय है।2. मानसरोवर के राजेंद्र कुमार ने बताया कि 1 साल पहले गंगा-जमुना पेट्रोल पंप के पास मोबाइल पर बात कर रहा था तभी बाइक सवार बदमाश छीनकर ले गए थे। 3. कालवाड़ रोड की चंचल का कहना है कि 8 माह पहले ऑफिस से घर लौट रही थी। राजमंदिर के सामने पिताजी का फोन आया तो बात कर रही थी। तभी बाइक सवार बदमाश मोबाइल छीन ले गए थे। विश्वास ही नहीं हो रहा है कि एक साल बाद मोबाइल मिल पाएगा। कमिश्नरेट के साउथ जिले में डेढ़ साल में 1100 गुम व लूटे हुए मोबाइल में से 533 मोबाइल पुलिस ने ट्रेस कर मालिकों को लौटाए। इनकी कीमत करीब 1 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मोबाइल मिलने पर लोग बोले- विश्वास ही नहीं हो रहा है कि उनके मोबाइल वापस मिल गए। डीसीपी साउथ दिगंत आनंद ने बताया कि साउथ जिले के थानों में बड़ी संख्या में मोबाइल गुम होने की सूचनाएं दर्ज हो रही थीं। इस पर दो माह पहले 'अपना मोबाइल फिर से आपका' अभियान चलाया गया। जिम्मा एडिशनल डीसीपी साउथ पारस जैन को सौंपा गया। इसके बाद सभी थानों की तकनीकी शाखा को गुमशुदा मोबाइल ट्रेस करने के लिए निर्देश दिए गए। टीम ने अधिकतर मोबाइल निचले तबके के लोगों से बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि हमें तो पता ही नहीं है कि बिल भी मिलता है। उन्हें बिल के साथ ही मोबाइल लेने की हिदायत दी है।

सर्वश्रेष्ठ फलदायी मुहूर्त गुरु पुष्य नक्षत्र 24 अक्टूबर की सुबह से 25 की दोपहर तक

द-पुलिस पोस्ट

जयपुर दीपावली महापर्व के पहले 24 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र आ रहा है। कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी गुरुवार को होने से इसे गुरु पुष्य कहा जाएगा। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, 27 नक्षत्रों में से पुष्य नक्षत्र को सबसे शुभ माना जाता है। इसे नक्षत्रों का राजा कहा गया है। पं. अजय कृष्ण शंकर व्यास के अनुसार पुष्य नक्षत्र में खरीदी गई वस्तुएं स्थायी फलदायी मानी जाती हैं। इस दौरान हर प्रकार की खरीदी की जा सकती है। पुष्य नक्षत्र की शुरुआत 24 अक्टूबर को सुबह 11:45 बजे से होगी। यह 25 अक्टूबर को दोपहर 12:30 बजे तक रहेगा। पुष्य नक्षत्र में की गई खरीदारी और शुरू किए गए व्यापार में बढ़ोतरी होती है। पुष्य नक्षत्र में शिव-पार्वती, इंद्र और बाबा भैरव की पूजा से धन-संपत्ति, वैभव और सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद मिलता है।

पुष्य नक्षत्र में खरीदी इसलिए शुभ

पंडित व्यास के अनुसार, पुष्य नक्षत्र के स्वामी ग्रह शनि हैं। वहीं पुष्य नक्षत्र के देवता गुरु बृहस्पति हैं। पुष्य नक्षत्र की राशि कर्क है। गुरु पुष्य योग ज्योतिष शास्त्र में अत्यंत शुभ और महत्वपूर्ण योग माना जाता है। यह योग तब बनता है, जब गुरु ग्रह (बृहस्पति) पुष्य नक्षत्र में होता है। दोनों ही (गुरु ग्रह और पुष्य नक्षत्र) धन, समृद्धि और ज्ञान के प्रतीक माने जाते हैं। इसलिए इन दोनों के संयोग से बनने वाला यह योग बेहद शुभ माना जाता है। इस नक्षत्र में सोना-चांदी के साथ अचल संपत्ति की खरीदारी करने का विशेष महत्व होता है।

पुष्य नक्षत्र में इनकी खरीदी स्थायी लाभ देने वाली

अचल संपत्ति - मकान, प्लॉट, फ्लैट, कृषि भूमि और व्यावसायिक संपत्ति।

चल संपत्ति - आभूषणों में सोना, चांदी, हीरा, प्लेटिनम के आभूषण। ऑटोमोबाइल (चार पहिया वाहन, दोपहिया वाहन), इलेक्ट्रिक दोपहिया-चार पहिया वाहन। इलेक्ट्रॉनिक सामान में फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन, लैपटॉप, माइक्रोवेव ओवन आदि।

नवरात्र में ऐंद्र, जयद, सर्वार्थ सिद्धि, रवि योग के साथ हस्त नक्षत्र भी

इस नवरात्र की शुरुआत हस्त नक्षत्र, ऐंद्र और जयद योग से हुई है। पं. अजय कृष्ण शंकर व्यास के अनुसार इस बार पूरी नवरात्र सर्वार्थ सिद्धि और रवि योग बना रहेगा। 11 और 12 अक्टूबर को भी ये दोनों योग बन रहे हैं। मान्यता है कि ये शुभ योग अत्यंत फलदायी होते है।

पं. व्यास के अनुसार एक साथ चार शुभ संयोग दुर्लभ माने जाते हैं। इसलिए शारदीय नवरात्रि में इस बार चार योग और हस्त नक्षत्र होने के कारण इस दौरान की गई खरीदारी शुभ और स्थायी मानी जाती है। यह उन परिवारों के लिए भी शुभ समय है, जो लंबे समय से खरीदी के लिए शुभ संयोग का इंतजार कर रहे हैं। इसलिए पूरे नौ दिन आभूषण, मकान प्लॉट के साथ ऑटोमोबाइल की खरीदी शुभ है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा.लिडीएल टॉवर, उए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं भू-तल ऑरबिट मॉल, सिविल लाइंस, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 99280-96524, पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंध संपादक) 01482-455184, 9214417111